दैनिक
सच्चे दिन

वर्ष-06 | अंक-209 | प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 3 नवंबर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

बेंगलुरु में बन रही बुलेट ट्रेन

280 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बदलेगी रेल यात्रा, 202 मीटर लंबी यह ट्रेन 557 यात्रियों को ले जा सकती है



नई दिल्ली, एजेंसी। देश की पहली बुलेट ट्रेन स्वदेशी होगी जो मुंबई-अहमदाबाद रूट पर दौड़ेगी। इस बुलेट ट्रेन की बी28 नाम दिया गया है, जिसके कोच में 557 यात्री सवार हो सकेंगे।

जबकि इसकी अधिकतम गति सीमा 250 किमी प्रति घंटा होगी। दरअसल, भारत में 350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली जापान की शिंकानसेन बुलेट ट्रेन चलाई जानी थी, लेकिन उसकी डिलिवरी 2030 के पहले संभव नहीं है। लिहाजा भारत खुद मेड इन इंडिया बुलेट ट्रेन तैयार कर रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) का दौरा किया और बुलेट ट्रेन की रेक के निर्माण का जायजा लिया।

पीएम मोदी बोले- कोविड हो या पश्चिम एशिया संकट, 140 भारतीयों ने देश को संकट से निकाला

चुनौतियों के बावजूद भारत की ग्रोथ मजबूत

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 का इनॉगरेशन किया। उन्होंने कहा कि इस साल दुनिया में एनर्जी शॉक की ही चर्चा हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ सालों में ग्लोबल इकोनॉमी ने ऐसे संकटों का सामना किया है, जो पहले कभी नहीं हुए। कोविड-19 से लेकर पश्चिम एशिया के संकट तक दुनिया को एक के बाद एक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। मुझे गर्व है कि 140 करोड़ भारतीयों ने देश को इन मुश्किल समय से निकलने में मदद की है।



नॉन-फॉसिल फ्यूल एनर्जी कैपेसिटी हासिल करने का संकल्प

2021 के समिट में, भारत ने 2030 तक 500 गीगीवॉल्ट नॉन-फॉसिल फ्यूल एनर्जी कैपेसिटी हासिल करने का संकल्प लिया था। पेरिस एग्रीमेंट के तहत, भारत ने अपनी इंस्टॉल्ड पावर कैपेसिटी का 50त्न नॉन-फॉसिल फ्यूल सोर्स से पूरा करने का भी वादा किया था। हमने यह टारगेट 2025 में, तय समय से पांच साल पहले हासिल कर लिया। मैं चाहता हूं कि भारत के अनुभव इसका लाभ पूरी मानवता को मिले। इस क्षेत्र में भारत की जो सफलताएं हैं, वो दुनिया के अनेक देशों को काम आएगी। हमने फरवरी 2024 में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की, इसके तहत एक करोड़ घरों में रूफ टॉप सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है।

हमने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की

हमने फरवरी 2024 में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की, इसके तहत एक करोड़ घरों में रूफ टॉप सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है। पिछले 24-25 महीनों में ही 65 लाख से ज्यादा घर अभियान से जुड़ चुके हैं। भारत में रिन्यूएबल एनर्जी (सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय स्रोतों) की कुल स्थापित क्षमता करीब 299.25 गीगावॉट है।

सौर क्रांति का ये नया दौर

हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि ज्यादा से ज्यादा गांवों में खाली जमीन पर किसान सोलर पैनल लगाए। सौर क्रांति का ये नया दौर सिर्फ अपनाने का नहीं है। ये इनोवेशन पर भी निर्भर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई श्रीकृष्ण पाथेय न्यास कार्यसमिति की बैठक

उज्जैन में बनेगी भगवान श्रीकृष्ण पर केन्द्रित अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्री कृष्ण पर केंद्रित शोध वृत्त चित्र, नाट्य और संगीत श्रृंखलाओं के लिए समर्पित यूट्यूब डिजिटल प्लेटफॉर्म का संचालन आरंभ करने की योजना है। इसके साथ ही दुर्लभ पांडुलिपियों और शोध पत्रों के लिए उज्जैन में अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी। इन गतिविधियों को जन भागीदारी और विभिन्न शासकीय योजनाओं के समन्वय से व्यापक अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के विचार वर्तमान में भी हमारा पथ प्रदर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण द्वारा उज्जैन के सांदीपनि गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही प्रदेश के विभिन्न स्थानों में यात्राएं की गयी। जन सामान्य के लिए ऐसे सभी स्थानों का महत्व तीर्थ के समान है। प्रदेश में स्थित ऐसे स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाए। जीवन प्रबंधन हो या अर्थव्यवस्था का संचालन सभी क्षेत्रों में भगवान कृष्ण के विचार आज भी सामयिक है।



भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थानों के विकास में कृष्ण भक्ति से जुड़े संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों का संरक्षण संवर्धन और प्रबंधन इस रूप में हो जिससे श्रद्धालु इन केन्द्रों से भावनात्मक रूप से जुड़ें और उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदिरों से जुड़ी भूमियों का उपयोग मंदिर की बेहतर व्यवस्था करने पर विचार किया जाए। इसके अंतर्गत ऐसी भूमि पर कृषि के साथ अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने की भी कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि बड़े मंदिरों की आय के कुछ भाग का उपयोग क्षेत्र की गौशालाओं और आसपास के वृंदावन गांव की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

श्रीकृष्ण पाथेय योजना के अंतर्गत जारी विकास परियोजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक में बताया गया कि उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम के विकास और जीर्णोद्धार के लिए भूमि-पूजन हो चुका है। प्रदेश में 3200 से अधिक मंदिरों के रखरखाव, प्रवेश द्वारों के निर्माण तथा श्री कृष्ण पाथेय की जल संरचनाओं के संरक्षण के लिए निर्देश जारी किए जा चुके हैं। बैठक में श्रीकृष्ण पाथेय योजना के अंतर्गत नारायण धाम महिदपुर, श्रीकृष्ण धाम छतरपुर, जानापाव महू इंदौर, अमझेरा धार, मां जागेश्वरी लोक चंदेरी, श्रीकृष्ण राधा लोक पन्ना और रायसेन जिले की जमगढ़ की पहाड़ियों में जारी विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

एक्टर इमरान ने बॉम्बे हाईकोर्ट से माफी मांगी: कहा-

प्रदर्शन में नहीं जाऊंगा

मुंबई। एक्टर इमरान खान ने एसआईआर विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से कहा है कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट इमरान को मिलने लीव इंडिया नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने उनसे बिना शर्त माफी और अंडरटेकिंग देने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत की याद दिलाई और निर्देश दिया कि इमरान को उनके खिलाफ जारी लीव इंडिया नोटिस का जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। तब तक उनके खिलाफ जारी लीव इंडिया (भारत छोड़ो) नोटिस पर रोक रहेगी। एक्टर इमरान खान 42 साल से भारत में रह रहे हैं लेकिन उनके पास अमेरिका की नागरिकता है, 2006 से ओसीआई कार्ड होल्डर हैं। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने कहा कि भारत की उदारता देखिए कि एक अमेरिकी नागरिक, जिसके पास ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड है, उसे तुरंत देश से बाहर निकालने या डिपोर्ट करने के बजाय पहले एक नोटिस देकर देश छोड़ने के लिए कहा गया। अगर किसी भारतीय नागरिक ने विदेश में ऐसा ही कुछ किया होता, तो उसे अगली ही फ्लाइट से भारत वापस भेज दिया जाता।



ईपीएफओ ने वॉट्सएप सर्विसेज शुरू की

राष्ट्रीय सुरक्षा और संगठन विस्तार पर संघ का आज से इंदौर में मंथन

इंदौर (ब्यूरो)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक आज से इंदौर के डेली कॉलेज में शुरू होगी। सुबह नौ बजे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत बैठक का शुभारंभ करेंगे। बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजना और संगठन विस्तार की दिशा तय की जाएगी। राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता, डिजिटल प्रभाव, युवा सहभागिता और नशामुक्त भारत जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय संगठन की नई रचना भी है।



सुरक्षा के कड़े इंतजाम

आगामी कार्यक्रमों से महिलाओं को जोड़ने के लिए रूपरेखा पर भी विचार होगा। बैठक में भाग लेने के लिए सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित छह सह सरकार्यवाह इंदौर पहुंच चुके हैं। आयोजन स्थल को भगवा ध्वज से सजाया गया है। सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

इस संबंध में पहले विचार हो चुका है। अब बैठक में इसकी अंतिम रूपरेखा तय की जाएगी। अगले साल मार्च में होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा से पहले संगठन का नया ढांचा तैयार कर लिया जाएगा। इसके अनुरूप जिला, विभाग, प्रांत, क्षेत्र और अखिल भारतीय स्तर पर चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

मंत्री पद न मिलने से नाराज

विधायकों का अल्टीमेटम... 14 दिन में मांगें नहीं मानीं तो समर्थन वापस लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 25 विधायकों ने रविवार को पार्टी नेतृत्व को 14 दिन का अल्टीमेटम दिया है। विधायकों ने मांगें पूरी नहीं होने पर सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी दी है। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ ही वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है। बैठक में विधायकों ने 4 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। इसकी अगुआई पार्टी के सीनियर लीडर और गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी तथा थानामंडी विधायक मुजफ्फर इकबाल खान करेंगे। प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मिलकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेगा।



श्रीनगर से सांसद आगा ने इस्तीफे का ऐलान किया

श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने भी इस्तीफे का ऐलान किया है। रूहुल्लाह ने कहा है कि वह 3 नवंबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस और लोकसभा सदस्यता, दोनों से औपचारिक इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर वैचारिक प्रतिबद्धताओं को कमजोर करने का आरोप लगाया है।

राहुल गांधी को भेज दें कहीं दूर

विपक्ष की रैली से 12,000 करोड़ रुपए के नुकसान का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के रामलीला मैदान पर इंडिया ब्लॉक की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली के बाद व्यापारियों में गुस्सा बढ़ गया है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य ने कहा कि राहुल गांधी की अराजकता, भ्रम और डर की राजनीति के कारण व्यापारियों को 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कांग्रेस सांसद से सवाल पूछा कि इसकी भरपाई कौन करेगा? उन्होंने कहा, %%1905 में बने देश के सबसे पुराने किराना संगठन ने पत्र लिखकर बताया है कि इन अड़चनों के कारण उनका 12 हजार करोड़ के नुकसान हुआ है। इसी तरह सूखे मेवे के व्यापारियों के संगठन ने एक हजार करोड़ के नुकसान का अंदाजा लगाया है। इस तरह की राजनीति करने के लिए राहुल गांधी को कहीं दूर भेज दिया जाए, ऐसे इलाकों में जहां भीड़-भाड़ न हो। इस तरह का आग्रह किया गया है।



विपक्ष की रैली से दिल्ली के व्यापार को करोड़ों का नुकसान

रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया ब्लॉक की रैली को लेकर व्यापारिक संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने दावा किया है कि इसके कारण दिल्ली के कारोबार को भारी नुकसान उठाना पड़ा। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि रैली से पहले बड़े पैमाने पर प्रचार किया गया था कि करीब 10 लाख लोग इसमें शामिल होंगे।

शाह बोले- असली संसद में कभी नहीं बनेंगे

राहुल ने नकली संसद लगाई, उसके पीएम बन जाते

हैदराबाद। अमित शाह सोमवार को हैदराबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में शामिल हुए। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली में नकली संसद लगाई। वे उसके ही पीएम बन जाते तो सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाती। असली संसद में वे कभी पीएम नहीं बनेंगे। विपक्ष के एसआईआर विरोध के जवाब में भाजपा देशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान चला रही है। इसका पहला चरण 22 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक चलेगा।



सपैठिए कांग्रेस के वोट बैंक, इन्हें निकालकर ही दम लेंगे

कांग्रेस पार्टी एसआईआर को रोककर देश की मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है। ये घुसपैठिए उनके वोट बैंक हैं। राहुल जी जितना जोर लगाना है लगा लो, भाजपा एक-एक घुसपैठिए को देश और वोटर्स लिस्ट से बाहर निकालकर दम लेगी। 3 करोड़ वोट बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। भाजपा 2014 में जीती, 2019 में जीती, तब क्या एसआईआर हुआ था राहुल जी कहते हैं कि हम (भाजपा) एसआईआर से जीते। जरा बताओ क्या 2014 में एसआईआर हुआ था। 2019 में जीते, तब भी एसआईआर नहीं हुआ था।

आप छोड़ने वाले तीनों विधायक बीजेपी में शामिल

बोले- पंजाब में फिरौती इंडस्ट्री बनी, गैंगस्टर सरकार में, तीनों ने पिछले दो दिन में इस्तीफा दिया

मुंबई। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के 3 विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। बीजेपी जॉइन करने के बाद विधायक कुंवर ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर सरकार का हिस्सा बन गए हैं। फिरौती की इंडस्ट्री चल रही है। इन तीनों विधायकों ने पिछले 2 दिनों में आप से इस्तीफा दिया। रविवार को जौड़ामाजरा और पठानमाजरा के इस्तीफे के बाद सोमवार को कुंवर ने भी पार्टी छोड़ दी। कुंवर और पठानमाजरा ने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। कुंवर को जून 2025 में आप ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 5 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के 3 विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। बीजेपी जॉइन करने के बाद विधायक कुंवर ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर सरकार का हिस्सा बन गए हैं। फिरौती की इंडस्ट्री चल रही है।



दिल्ली-एनसीआर में दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे

अस्पताल-वृद्धाश्रम जैसे साइलेंस जोन में रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी नो-क्रैकर जोन घोषित किया जाए। इनकी उचित मार्किंग की जाए और लोगों को इसकी जानकारी दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 में पटाखे चलाने को लेकर आदेश दिया था। 20 अक्टूबर को ग्रीन पटाखे फोड़ने की इजाजत दी थी।



24 घंटे पटाखे चलाने की परमिशन नहीं दे सकते

ग्रीन पटाखे ऐसे पटाखे होते हैं, जिन्हें सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने के लिए बनाया जाता है। इनमें हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे इनके जलने पर कम धुआं और कम हानिकारक गैसें निकलती हैं। 30 सितंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगाएंगे।

मध्यप्रदेश का 71वाँ स्थापना दिवस जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं के स्टॉल से खरीदा गिफ्ट हैंपर

उज्जैन । मध्यप्रदेश का 71वाँ स्थापना दिवस जिले में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। स्थापना दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम कालिदास अकादमी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने भारत माता एवं मध्यप्रदेश की जय के उद्घोष के साथ प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात कला पथक दल द्वारा वंदे मातरम् एवं मध्यप्रदेश गान की प्रस्तुति दी गई।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हम सभी मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर एकत्रित हुए हैं। 1 नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश एक नए स्वरूप में अस्तित्व में आया था। मध्यप्रदेश को भारत का हृदय और आत्मा कहा जाता है। यदि भारत एक शरीर है, तो मध्यप्रदेश उसका हृदय है। इस हृदय में हम सभी निवास करते हैं और हमें गर्व है कि हम इस गौरवशाली प्रदेश के निवासी हैं। मध्यप्रदेश केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा, आध्यात्मिकता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक है। आध्यात्मिक क्षेत्र एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प में उज्जैन की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता से हम सभी परिचित हैं।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति, ज्ञान, साधना और आध्यात्मिक परंपरा का केंद्र रही है। यह वही पवित्र भूमि है, जहाँ भगवान श्रीकृष्ण ने अपने गुरु महर्षि सांदीपनि से शिक्षा प्राप्त की थी। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हम उस नगरी में निवास करते हैं, जहाँ भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा और ज्ञान की परंपरा आज भी जीवंत है।

उन्होंने कहा कि आगामी सिंहस्थ महापर्व केवल उज्जैन ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मध्यप्रदेश और देश के लिए गौरव का अवसर है। यह महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का विराट उत्सव है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ की दिव्य, भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित तैयारियों के लिए व्यापक



स्तर पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने सिंहस्थ महापर्व की व्यापक तैयारियों, धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार, इंदौर-उज्जैन मार्ग के चौड़ीकरण तथा क्षिप्रा नदी के घाटों के विस्तार का उल्लेख किया। साथ ही जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई परियोजनाओं, महिला सशक्तीकरण और स्मार्ट सिटी त्रिनेत्र एआई जैसी तकनीकी पहलों की उपलब्धियों की जानकारी दी।

राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेशनाथ जी महाराज ने कहा कि यह हम सभी के लिए प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि आज मध्यप्रदेश का 71वाँ स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। हमारे प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं, जो हमारी धार्मिक और आध्यात्मिक समृद्धि के प्रतीक हैं। प्रदेश में प्रवाहित क्षिप्रा एवं नर्मदा नदियाँ मोक्षदायिनी हैं। उन्होंने माही नदी की धार्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक विरासत को जानने और समझने के लिए सभी नागरिकों को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए।

विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है तथा शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए अनेक विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन में धन्वंतरि हेल्थ यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि आईटी के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में आईटी हब विकसित किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

विधायक श्री सतीश मालवीय ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का इतिहास गौरवशाली रहा है। यह प्रदेश धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का प्रमुख केंद्र है। इस धरती पर राम पथगमन और कृष्ण पथगमन जैसे अनेक ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल हैं। मध्यप्रदेश की धरती धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ देश की वीरता और बलिदान की भी प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद का जन्म भी इसी पावन भूमि पर हुआ था।

महापौर श्री मुकेश टटवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश के निर्माण एवं विकास में जिन महान विभूतियों ने अपना अमूल्य योगदान दिया है, उन्हें आज के दिन स्मरण करना चाहिए। मध्यप्रदेश आज धार्मिक आस्था के केंद्र के रूप में विश्वभर में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और निष्ठा के साथ करने का संकल्प लेने का आह्वान किया, जिससे प्रदेश के विकास को और गति मिल सके।

नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है। यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है कि वर्ष 2028 में उज्जैन में भव्य, दिव्य एवं गौरवशाली सिंहस्थ महापर्व का आयोजन होने जा रहा है। सिंहस्थ को पूरी गरिमा और दिव्यता के साथ संपन्न कराने के लिए तैयारियाँ व्यापक स्तर पर की जा रही हैं।

कार्यक्रम में किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित कृषि क्रिज प्रतियोगिता के विजेता किसान भाइयों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले किसानों को क्रमशः ट्रैक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल एवं ई-स्कूटी प्रदान की गई।

प्रथम पुरस्कार के रूप में श्री रोहित पिता श्री रमेशचंद को ट्रैक्टर प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार के रूप में श्री संजय पिता श्री बनेसिंह को बुलेट मोटरसाइकिल तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में श्री शंकरलाल पिता श्री बगदीराम को ई-स्कूटी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस आयोजन की विशेष बात यह रही कि पहली बार इतनी बड़ी संख्या में एक साथ किसानों को उनके दैनिक जीवन एवं कृषि कार्यों में उपयोगी आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। यह पहल किसानों के सम्मान, प्रोत्साहन और कृषि क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को महत्व देने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास है।

कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 49 स्व-सहायता समूहों को बैंक ऋण के रूप में कुल 1 करोड़ 75 लाख 15 हजार रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। इस पहल से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं के स्टॉल से खरीदा गिफ्ट हैंपर

स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया तथा उनके द्वारा निर्मित उत्पादों से तैयार गिफ्ट हैंपर भी खरीदा। इस गिफ्ट हैंपर में महिलाओं द्वारा तैयार की गई दाल, मसाले, बेसन, आटा सहित अन्य खाद्य सामग्री शामिल है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को बाजार में उचित स्थान एवं पहचान दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएँ। उत्पादों की बिक्री बढ़ाने तथा अधिक से अधिक लोगों तक इनकी पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन सभी उत्पादों को शामिल कर आकर्षक गिफ्ट हैंपर तैयार किए जाएँगे। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी इन गिफ्ट हैंपर को क्रय किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही इन उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग स्थानीय महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्री खरीदने के लिए प्रेरित हों। इस पहल से महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने, बिक्री बढ़ाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में कालिदास अकादमी स्थित सभागृह के मंच पर मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए कलाकारों द्वारा संगीत एवं नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गईं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देने वाले दलों को 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री प्रेम नारायण नागर और श्री अनिल व्यास को पुष्पमाला पहनाकर एवं तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा अपने उत्कृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें जिला उद्योग केंद्र, स्मार्ट सिटी, खादी एवं ग्रामोद्योग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शहरी एवं ग्रामीण आजीविका मिशन तथा जनसंपर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। साथ ही जिले के स्थानीय उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में 58 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण, 22 आयुष्मान कार्ड एवं 32 आभा आईडी बनाई



उज्जैन । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी जिला उज्जैन द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवम्बर 2026 को कालिदास अकादमी, उज्जैन में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य परीक्षण एवं शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं पर्दशनी माध्यम से जानकारी प्रदान की गई।एवं तम्बाकू मुक्त अभियान का शिविर माध्यम से जागरूकता गतिविधि भी की गई द्य साथ ही तम्बाकू जिला नोडल अधिकारी डॉ. शिव मेन्या के द्वारा युवा वर्ग को तम्बाकू के न सेवन के बारे मे विस्तार से जानकारी प्रदान की गई द्य एवं शिविर के दौरान कुल 58 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। साथ ही पात्र हितग्राहियों के 22 आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाए गए तथा 32 नागरिकों की आभा आईडी (ABHA ID) तैयार की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी ने बताया कि शासन की मंशानुसार आमजन को सुलभ, एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं शासन की योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राही योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनहित में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं शिविरों में अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं तथा आयुष्मान भारत एवं आभा आईडी जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं से जोड़कर शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर जिला तम्बाकू नोडल अधिकारी डॉ. शिव मेन्या, आयुष्मान मित्र, स्वास्थ्य विभाग टीम सहित अन्य स्टॉफ उपस्थित थे।

थाना भैरवगढ़ पुलिस की अभियान प्रहार के तहत कार्यवाही, डोडा चूरा तस्करी के प्रकरण में दो वर्ष से फरार चल रहा इनामी आरोपी गिरफ्तार



उज्जैन। पुलिस द्वारा अभियान प्रहार के अंतर्गत अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं अपराधों में संलिप्त फरार आरोपियों की धरपकड़ हेतु लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आलोक शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती पुष्पा प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भैरवगढ़ निरीक्षक एस.पी. शक्तावत के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर दो वर्षों से फरार चल रहे इनामी आरोपी की तलाश की जा रही थी। दिनांक 31.10.2026 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना भैरवगढ़ पुलिस टीम द्वारा जिला रतलाम के थाना ताल अंतर्गत ग्राम कारवाखेड़ी क्षेत्र में दबिश दी गई। पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट के अपराध क्रमांक 394/2023, धारा 8/15 में डोडा चूरा के अवैध परिवहन के प्रकरण में फरार चल रहे इनामी आरोपी अर्जुन पिता पुरालाल सूर्यवंशी, निवासी ग्राम कारवाखेड़ी, थाना ताल, जिला रतलाम को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार आरोपी का विवरण 1.अर्जुन पिता पुरालाल, निवासी ग्राम कारवाखेड़ी, थाना ताल, जिला रतलाम।

सराहनीय भूमिका

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक एस.पी. सिंह राजावत, उनि डी.एस. रावत, सउनि जितेन्द्र गौसर एवं आरक्षक 1628 लक्ष्मीचन्द्र की सराहनीय भूमिका रही।

दो वर्षों से फरार 10,000 का इनामी वारंटी गिरफ्तार

उज्जैन। वर्ष 2021 में मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार हुआ था आरोपी, विगत दो वर्षों से चल रहा था फरार। उज्जैन पुलिस द्वारा अभियान प्रहार के अंतर्गत अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त आरोपियों एवं लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों की धरपकड़ हेतु लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक उज्जैन के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरु प्रसाद पराशर एवं नगर पुलिस अधीक्षक दीपिका शिंदे के निर्देशन में थाना प्रभारी नीलगंगा निरीक्षक तरुण कुरिल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में फरार चल रहे इनामी वारंटी की तलाश की जा रही थी। पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास कर एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में विगत दो वर्षों से फरार चल रहे आरोपी युनुस पिता असलम, उम्र 35 वर्ष, निवासी पंवासा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी वर्ष 2021 में मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार हुआ था। प्रकरण में फरार रहने के कारण आरोपी की गिरफ्तारी पर ?10,000 का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार आरोपी का विवरण 1. युनुस पिता असलम, उम्र 35 वर्ष, निवासी पंवासा, जिला उज्जैन।

ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत उज्जैन पुलिस की प्रभावी कार्रवाई, पांच थाना क्षेत्रों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 5 आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन । मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक उज्जैन के मार्गदर्शन में उज्जैन पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, खरीद-फरोख्त एवं वितरण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में उज्जैन जिले के थाना नानाखेड़ा, नागझिरी, पंवासा, महाकाल एवं खाचरौद पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 02 किलो 655.11 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं एम.डी. ड्रग्स जब्त की गई।

थाना पंवासा पुलिस 01 किलो 298 ग्राम गांजा जब्त थाना पंवासा पुलिस द्वारा रात्रि गश्त के दौरान पाण्ड्याखेड़ी ब्रिज के नीचे मक्सी रोड पर संदिग्ध अवस्था में खड़े युवक को घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी में आरोपी अंकित मण्डोर पिता रामचन्द्र मण्डोर, उम्र 21 वर्ष, निवासी विनायक पार्क कॉलोनी, मक्सी रोड उज्जैन के कब्जे से 01 किलो 298 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, कीमत



लगभग 15,000 रुपये, बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 309/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई। आरोपी की मोटरसाइकिल च्ज्ञरूभी जब्त की गई।

थाना महाकाल पुलिस ङ्क 122 ग्राम गांजा जब्त थाना महाकाल पुलिस द्वारा सेडो एरिया चेकिंग एवं सर्कल भ्रमण के दौरान मौलाना मौज की दरगाह की सीढ़ियों के पास संदिग्ध अवस्था में मिले युवक मोईन उर्फ कालू पिता मुबारिक खान मुसलमान, उम्र 24 वर्ष, निवासी पंचकुआ, शकरपुर उज्जैन के कब्जे से 122 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, जब्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

थाना नागझिरी पुलिस एम.डी. ड्रग्स के साथ आरोपी गिरफ्तार थाना नागझिरी पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी कमल सिंह चंदावत पिता रामसिंह चंदावत, उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम जमालपुरा, थाना इंगोरिया, जिला उज्जैन को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 4.69 ग्राम एम.डी. ड्रग्स एवं 0.42 ग्राम एम.डी. ड्रग्स की गोली, कुल 5.11 ग्राम मादक पदार्थ, कीमत लगभग 46,000 रुपये, जब्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 53/2026 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। ?? थाना नानाखेड़ा पुलिस ङ्क 130 ग्राम गांजा जब्त थाना नानाखेड़ा पुलिस द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आरोपी ईश्वर पिता रमेश बारवासी, उम्र 35 वर्ष, निवासी आनंद नगर उज्जैन को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 130 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 504/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

थाना खाचरौद पुलिस 01 किलो 100 ग्राम गांजा जब्त थाना खाचरौद पुलिस द्वारा भाटखेड़ी रोड रेलवे पुलिया के पास कार्रवाई करते हुए आरोपी छोटू शाह पिता फरीद शाह, उम्र 85 वर्ष, निवासी पुराने बस स्टैंड के पास, पुराने थाने के पीछे, खाचरौद को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 478/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। पांच थाना क्षेत्रों की संयुक्त कार्रवाई जब्त मादक पदार्थ का विवरण थाना पंवासा गांजा ङ्क 01 किलो 298 ग्राम थाना महाकाल गांजा 122 ग्राम ?? थाना नागझिरी एम.डी. ड्रग्स एवं गोली 5.11 ग्राम ?? थाना नानाखेड़ा गांजा ङ्क 130 ग्राम ?? थाना खाचरौद गांजा 01 किलो 100 ग्राम कुल जब्ती = 02 किलो 655.11 ग्राम कुल गिरफ्तार आरोपी = 05 उज्जैन पुलिस द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य नशे के अवैध कारोबार की सप्लाई चेन पर प्रहार कर उसे समाप्त करना, युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना तथा समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है। ??उज्जैन पुलिस की अपील- आमजन से अपील है कि अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त एवं तस्करी संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

हत्या एवं आपराधिक षड्यंत्र के मामले में आजीवन कारावास से दंडित फरार सजायाब वारंटी को महाकाल पुलिस ने किया गिरफ्तार



उज्जैन । न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट की तामीली कर लंबे समय से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में उज्जैन पुलिस को मिली सफलता। पुलिस अधीक्षक उज्जैन के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री संजू चौहान के निर्देशन में थाना प्रभारी महाकाल निरीक्षक श्री गगन बादल के नेतृत्व में महाकाल पुलिस टीम द्वारा हत्या एवं आपराधिक षड्यंत्र के गंभीर मामले में आजीवन कारावास से दंडित फरार सजायाब वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई।

घटना का विवरण माननीय न्यायालय श्री ए.के. गुप्ता, अपर सत्र न्यायाधीश, उज्जैन द्वारा प्रकरण क्रमांक 63/2020, अपराध क्रमांक 630/2019, धारा 302, 120-बी भादवि में आरोपी संजय उर्फ संजू धुर्वे निवासी गांधीनगर, इंदौर को दिनांक 25.09.2024 को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया गया था। आरोपी सजा सुनाए जाने के बाद से फरार चल रहा था। आरोपी को सजा भुगताने हेतु माननीय न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। उक्त वारंट की तामीली करते हुए थाना महाकाल पुलिस टीम द्वारा आरोपी संजय उर्फ संजू धुर्वे को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी* 1. संजय उर्फ संजू धुर्वे, निवासी गांधीनगर, इंदौर। सराहनीय भूमिका* उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक श्री गगन बादल, उपनिरीक्षक श्री चंद्रभान सिंह, आरक्षक क्रमांक 1616 अरविंद पाटीदार एवं आरक्षक क्रमांक 685 शशांक बनाफर की सराहनीय भूमिका रही।

थाना महाकाल परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

उज्जैन। थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस स्टाफ ने सामूहिक श्रमदान कर थाना परिसर एवं कार्यालयीन कक्षों की साफ-सफाई की। पुलिस अधीक्षक, उज्जैन के निर्देशानुसार जिले के समस्त थानों एवं थाना परिसरों में स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। इसी क्रम में थाना महाकाल पर थाना प्रभारी निरीक्षक गगन बादल के नेतृत्व में समस्त पुलिस स्टाफ द्वारा सामूहिक श्रमदान किया गया।

इस दौरान थाना परिसर, कार्यालयीन कक्षों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान में सहभागिता करते हुए परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाया। उज्जैन पुलिस द्वारा स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित कार्यस्थल बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशों के पालन में यह अभियान संचालित किया गया।

प्रेस नोट थाना चिमनगंज मंडी, जिला उज्जैन दिनांक = 01.11.2026 थाना चिमनगंज मंडी पुलिस ने गोल्डन मोबाइल शॉप में हुई चोरी का किया खुलासा।

सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर किया गिरफ्तार। आरोपी के कब्जे से 02 मोबाइल फोन, 01 एप्पल आईपैड एवं सीसीटीवी का डीवीआर सहित करीब 2.50 लाख का मशरूका जप्त।

वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी फरार, जिसकी तलाश जारी। घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक 06.10.2026 की रात्रि में फरियादी परवेज मंसूरी निवासी फाजलपुरा, उज्जैन की म.नं. 58, लाला लाजपत राय मार्ग स्थित गोल्डन मोबाइल शॉप का अज्ञात बदमाशों द्वारा शटर एवं ताले तोड़कर दुकान में रखे 15 मोबाइल फोन, एप्पल आईपैड, सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर एवं हार्ड डिस्क तथा नगदी चोरी कर ली गई थी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना चिमनगंज मंडी में अपराध क्रमांक 733/2026 धारा 331(4), 305(ं) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस कार्यवाही-वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना चिमनगंज मंडी पुलिस द्वारा चोरी की घटना का खुलासा करने हेतु विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए तथा तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर तलाश की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने *आरोपी आशीष उर्फ गंजू उर्फ सुखमनंदर सिंह पिता खय्याम, निवासी छोटी झागरिया पारदी मोहल्ला, थाना रातीबड़, भोपाल, हाल मुकाम झुग्गी-झोपड़ी, सेंट पॉल स्कूल के सामने, थाना चिमनगंज मंडी, उज्जैन* को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी द्वारा अपने साथी खय्याम के साथ मिलकर गोल्डन मोबाइल शॉप में चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से चोरी के 02 मोबाइल फोन, 01 एप्पल आईपैड एवं सीसीटीवी कैमरे का 01 डीवीआर, कुल अनुमानित कीमत करीब 2,50,000/- का मशरूका जप्त किया गया। पूछताछ में आरोपी ने शेष चोरी किए गए मोबाइल फोन अपने साथी खय्याम के पास होना बताया है। प्रकरण में शामिल अन्य आरोपी खय्याम की तलाश की जा रही है। सराहनीय भूमिका उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी थाना चिमनगंज मंडी निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उप निरीक्षक दिनेश भाट, प्रधान आरक्षक कपिल राठौर, प्रधान आरक्षक पीयूष मिश्रा, आरक्षक आनंद मिश्रा, आरक्षक जगदीश गेहलोत, आरक्षक रवि पटेल, आरक्षक अभिषेक राठौर, आरक्षक भूपेश राठौर, आरक्षक दीपक पटेल एवं सैनिक चंदन सिंह की सराहनीय भूमिका रही ।

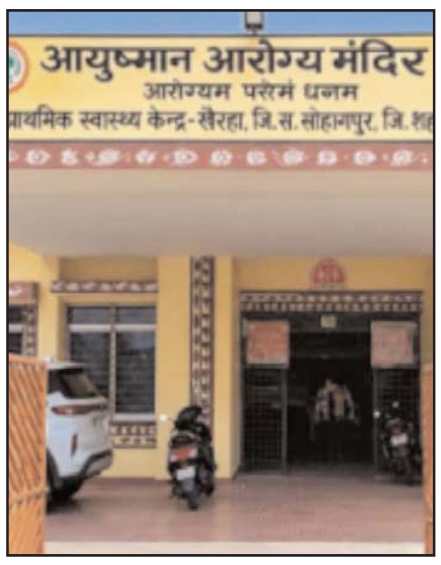
जिले में ग्रुप-डी कर्मचारी के सिर पर सिंहपुर बीएमओ का हाथ! खैरहा पीएचसी में सफाई व्यवस्था और ड्यूटी को लेकर उठे गंभीर सवाल

उपशीर्षकः राज नापित पर नियमित ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और निजी कार्यों के लिए शहडोल जाने के आरोप; शंभूनाथ कॉलेज में नियमित पढ़ाई करने की भी चर्चा। बीएमओ पुष्पराज सिंह की भूमिका और विभागीय कार्रवाई को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग।

शहडोल। (अविरल गौतम) जिले के सिंहपुर/खैरहा शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों और वहां पदस्थ प्रत्येक कर्मचारी अपनी निर्धारित जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करे। लेकिन शहडोल जिले के सिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के अंतर्गत संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरहा में सफाई व्यवस्था और ग्रुप-डी कर्मचारी की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध शिकायतें सामने आने के बावजूद विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो पा रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरहा में पदस्थ ग्रुप-डी कर्मचारी राज नापित की कार्यप्रणाली को लेकर शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि कर्मचारी अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुसार नियमित रूप से कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं रहता और अस्पताल की साफ-सफाई, शौचालय की सफाई सहित अन्य सौंपे गए कार्यों में लापरवाही बरतता है। इस पूरे मामले में सिंहपुर बीएमओ पुष्पराज सिंह की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

ग्रुप-डी कर्मचारी के सिर पर बीएमओ का हाथ होने की चर्चा

स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या ग्रुप-डी कर्मचारी राज नापित को विभागीय स्तर पर संरक्षण प्राप्त है? शिकायतों के बावजूद कार्रवाई में देरी को लेकर सिंहपुर बीएमओ पुष्पराज सिंह की भूमिका चर्चा में है। आरोप है कि संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध शिकायतें सामने आने के बाद भी



विभागीय स्तर पर सख्ती नहीं दिखाई जा रही है। हालांकि, बीएमओ द्वारा कर्मचारी को बुलाकर बातचीत किए जाने और उससे कार्य करने तथा सफाई व्यवस्था से संबंधित वीडियो उपलब्ध कराने की बात पहले सामने आई थी। अब सवाल यह है कि क्या केवल वीडियो मंगाने से अस्पताल की वास्तविक सफाई व्यवस्था सुनिश्चित हो पाएगी या फिर कर्मचारी की उपस्थिति और कार्यों की नियमित निगरानी भी की जाएगी। इस मामले में बीएमओ पुष्पराज सिंह का आधिकारिक पक्ष और विभागीय रिकॉर्ड जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

फोन करने पर कभी सैलून तो कभी शहडोल जाने का जवाब देने का आरोप!

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरहा के प्रभारी डॉक्टर आकाश साहू द्वारा पूर्व में संबंधित कर्मचारी की कार्यप्रणाली को लेकर शिकायत की गई थी। डॉक्टर के अनुसार, कर्मचारी रात में अस्पताल आता था, लेकिन साफ-सफाई का कार्य किए बिना सुबह चला जाता था। शिकायत में यह भी आरोप सामने आया है कि जब अस्पताल के प्रभारी डॉक्टर द्वारा कर्मचारी को फोन कर उसकी उपस्थिति अथवा कार्य के संबंध में जानकारी मांगी जाती है, तो वह कभी सैलून में होने तो कभी निजी काम से शहडोल जाने की बात कहता है। यदि ये शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो यह गंभीर जांच का विषय है कि ड्यूटी के निर्धारित समय में कर्मचारी कहां रहता है और अस्पताल की साफ-सफाई की जिम्मेदारी आखिर कौन निभा रहा है?

शंभूनाथ कॉलेज में नियमित पढ़ाई करने की चर्चा, ड्यूटी और उपस्थिति की जांच जरूरी। इस पूरे मामले में एक और महत्वपूर्ण जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। बताया जा रहा है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरहा में पदस्थ ग्रुप-डी कर्मचारी राज नापित शहडोल स्थित शंभूनाथ कॉलेज में नियमित रूप से पढ़ाई भी कर रहा है। यदि यह जानकारी सही है, तो विभाग के सामने यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि कर्मचारी की ड्यूटी का समय क्या निर्धारित है? कॉलेज में उसकी उपस्थिति किन समयों में दर्ज होती है? क्या उसकी शैक्षणिक गतिविधियों और सरकारी ड्यूटी के समय में कोई टकराव है। यह भी जांच का विषय है कि संबंधित कर्मचारी की नियुक्ति किन शर्तों पर हुई है और उसके सेवा अनुबंध में अध्ययन, उपस्थिति तथा कार्यस्थल पर उपलब्ध रहने को लेकर क्या प्रावधान हैं। केवल कॉलेज में पढ़ाई करने से किसी कर्मचारी द्वारा नियमों का उल्लंघन साबित नहीं होता, लेकिन यदि पढ़ाई और निर्धारित ड्यूटी के समय में टकराव है, तो विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर इसकी जांच आवश्यक है।

सफाई कर्मचारी की जिम्मेदारी पर भी उठे सवाल!

ग्रुप-डी कर्मचारी की जिम्मेदारियों में विभाग द्वारा सौंपे गए सफाई एवं अन्य सहायक कार्य शामिल हो सकते हैं। ऐसे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के लिए स्वच्छ शौचालय, साफ परिसर और व्यवस्थित वातावरण बनाए रखना बेहद जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्र के मरीज जब इलाज के लिए अस्पताल पहुंचते हैं, तो उन्हें साफ-सुथरा वातावरण मिलना चाहिए। यदि सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाला कर्मचारी ही नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहता, तो इसका सीधा असर अस्पताल की व्यवस्थाओं पर पड़ सकता है। अब यह सवाल भी उठ रहा है कि खैरहा पीएचसी में कर्मचारी की दैनिक उपस्थिति, कार्यों की निगरानी और सफाई व्यवस्था का सत्यापन आखिर किस स्तर पर किया जा रहा है?

जांच के दायरे में ये प्रमुख सवाल

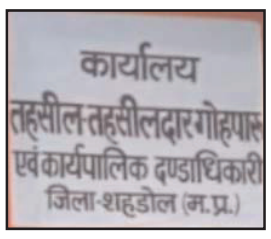
1. क्या ग्रुप-डी कर्मचारी राज नापित नियमित रूप से निर्धारित समय पर खैरहा पीएचसी में उपस्थित रहता है। 2. क्या कर्मचारी की उपस्थिति रजिस्टर और वास्तविक कार्यस्थल पर मौजूदगी का मिलान कराया जाएगा। 3. क्या शंभूनाथ कॉलेज में नियमित अध्ययन करने संबंधी जानकारी की विभागीय स्तर पर पुष्टि की जाएगी। 4. क्या सिंहपुर बीएमओ पुष्पराज सिंह को सफाई व्यवस्था और कर्मचारी की अनुपस्थिति संबंधी शिकायतों की जानकारी है। 5. शिकायतों के बावजूद अब तक क्या कार्रवाई की गई है। 6. क्या जिला स्वास्थ्य विभाग इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराएगा?

वरिष्ठ अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरहा में सफाई व्यवस्था और ग्रुप-डी कर्मचारी की कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), शहडोल तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर जांच करानी चाहिए। जांच के दौरान कर्मचारी का उपस्थिति रजिस्टर, ड्यूटी रोस्टर, कार्य आवंटन, वेतन भुगतान, सेवा अनुबंध और कॉलेज में उपस्थिति से संबंधित उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया जाना चाहिए। साथ ही बीएमओ पुष्पराज सिंह, अस्पताल प्रभारी डॉ. आकाश साहू और संबंधित कर्मचारी राज नापित का पक्ष भी दर्ज किया जाना चाहिए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि खैरहा पीएचसी की सफाई व्यवस्था और कर्मचारी की कथित अनुपस्थिति पर विभाग कब गंभीरता से संज्ञान लेगा? क्या बीएमओ पुष्पराज सिंह इन शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई करेंगे या मामला केवल बातचीत और आश्वासन तक ही सीमित रहेगा निष्पक्ष जांच से ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी और यदि कोई अनियमितता प्रमाणित होती है तो संबंधित जिम्मेदारों की जवाबदेही तय हो सकेगी।

जिले में प्रशासनिक कसौटी पर रेत माफिया: गोहपारू और चुहिरी में पकड़े गए वाहनों पर राजसात की तलवार

कलेक्टर से उठी सीधी मांग– रोड किंग के हाईवा और 2 मिनी ट्रकों पर हो कड़ी कानूनी कार्रवाई, कानून का खौफ जरूरी



शहडोल। (अविरल गौतम) गोहपारू थाना क्षेत्र और चुहिरी इलाके में प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान अवैध रेत उत्खनन और परिवहन करते पकड़े गए वाहनों के मामले में अब कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। जागरूक नागरिकों और क्षेत्र की जनता ने माननीय कलेक्टर महोदय एवं राजस्व विभाग से गुहार लगाई है कि जब्त किए गए %रोड किंग% के हाईवा और दोनों मिनी ट्रकों पर केवल नाममात्र का जुर्माना लगाने के बजाय, मध्य प्रदेश गौण खनिज अधिनियम के तहत राजसात की कठोर कार्रवाई की जाए।

क्यों जरूरी है राजसात की कठोर कार्रवाई

क्षेत्र में अवैध खनन और अनियंत्रित परिवहन करने वाले वाहनों के कारण आए दिन गंभीर खतरे की स्थिति बनी रहती है। भटिया क्षेत्र में पूर्व में घटी वह दुखद घटना आज भी लोगों के जेहन में ताजा है, जहां वाहन की चपेट में आने से एक बेकसूर युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। ऐसे में यदि केवल चालानी कार्रवाई कर इन वाहनों को छोड़ दिया जाता है, तो अवैध कारोबारियों के हौसले और बुलंद होते हैं। जनहित और सार्वजनिक सुरक्षा की दृष्टि से अब यह अनिवार्य हो गया है कि- कानून का डर स्थापित हो:अवैध उत्खनन में लिप्त वाहनों को सरकारी संपत्ति घोषित कर राजसात किया जाए। सख्त मिसाल कायम हो: केवल चालकों पर ही नहीं, बल्कि अवैध उत्खनन के पीछे सक्रिय पूरी व्यवस्था पर कड़ा प्रशासनिक शिकंजा कसा जाए। सुरक्षा सुनिश्चित हो- ग्रामीण व थाना क्षेत्रों में बेखौफ दौड़ते अवैध खनन के वाहनों की रफ्तार पर पूरी तरह अंकुश लगे।

जनता की नजरें अब प्रशासनिक निर्णय पर

गोहपारू और चुहिरी क्षेत्र के निवासियों का स्पष्ट कहना है कि यदि जिला प्रशासन और राजस्व विभाग इस मामले में कठोर कदम उठाते हुए वाहनों के राजसात की कार्रवाई करता है, तो इससे अवैध खनन करने वालों के हौसले पस्त होंगे और आम जनता का विश्वास कानून-व्यवस्था में और अधिक मजबूत होगा। अब देखना यह होगा कि माननीय कलेक्टर महोदय इस गंभीर मामले में क्या रुख अपनाते हैं और अवैध रेत कारोबार पर लगाम कसने के लिए कितना कड़ा संदेश देते हैं।

जिले के किसानों को1024 पंजीयन करने का तारीख4 नवंबर तक पंजीयन की मिली मोहलत, लेकिन फार्मर आईडी में खसरा नंबर गायब होने से किसान परेशान

कलेक्टर से लगाई गुहार, तकनीकी समस्या का शासन स्तर पर शीघ्र समाधान कराने की मांग

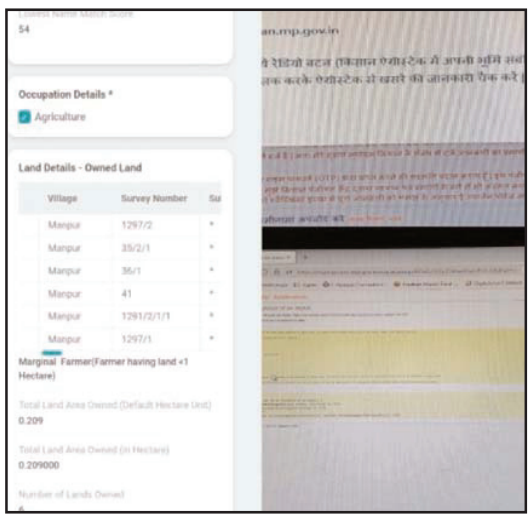
उमरिया। (दीपक द्विवेदी) जिले में धान उपार्जन से वंचित रह गए उमरिया जिले के 1024 किसानों को शासन द्वारा 4 नवंबर तक पंजीयन कराने की अतिरिक्त मोहलत तो दे दी गई है, लेकिन अब एग्री स्टेक पोर्टल और फार्मर आईडी की तकनीकी उलझनों ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालात यह हैं कि समय सीमा समाप्त होने में महज दो दिन शेष हैं और किसान चाहकर भी अपना पंजीयन कार्य पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

पीड़ित किसानों के अनुसार फार्मर आईडी में उनके सभी खसरा नंबर प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं। ऐसे में आवश्यक जानकारी अधूरी रहने के कारण धान उपार्जन के लिए पंजीयन की प्रक्रिया पूरी करना संभव नहीं हो पा रहा है।

इस तकनीकी समस्या के निराकरण के लिए किसान राजस्व विभाग की मैदानी व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हल्का पटवारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन वहां से भी तकनीकी समस्या का हवाला देकर असमर्थता जताई जा रही है।

दो दिन में कैसे पूरा होगा पंजीयन

किसानों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब फार्मर आईडी में खसरा नंबर ही दर्ज नहीं हैं तो



शेष दो दिनों में उनका पंजीयन कैसे पूरा होगा शासन ने राहत देने के उद्देश्य से समय सीमा तो बढ़ा दी, लेकिन जमीनी स्तर पर तकनीकी समस्याओं का समाधान नहीं होने से यह राहत भी किसानों के लिए बेअसर साबित होती दिखाई दे रही है।

कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग

सेवा सहकारी समिति मर्यादित मानपुर के शेष रह गए किसानों सहित जिले के अन्य प्रभावित किसानों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय से गुहार लगाई है।

किसानों ने मांग की है कि एग्री स्टेक एवं फार्मर आईडी में खसरा नंबर प्रदर्शित नहीं होने की तकनीकी समस्या का राज्य शासन स्तर पर तत्काल निराकरण कराया जाए,

ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका पंजीयन पूरा हो सके और वे धान उपार्जन योजना का लाभ प्राप्त करने से वंचित न रहें। अब देखना होगा कि प्रशासन किसानों की इस गंभीर समस्या पर कितनी तत्परता दिखाता है, क्योंकि समय सीमा समाप्त होने की कगार पर है और अन्नदाता अपने ही खेत के खसरा नंबर दर्ज कराने के लिए सरकारी व्यवस्था के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

जिले के उचेहरा के नदी में गिरा कोयले से भरा ट्रक, 9 घंटे बाद मलबे से निकला कंडक्टर

उमरिया। (दीपक द्विवेदी) जिले के उचेहरा और घोरचत्र नदी के बीच आधी रात हुए भीषण सड़क हादसे में करीब नौ घंटे तक कोयले के ढेर में दबे रहे ट्रक के कंडक्टर को आखिरकार बचा लिया गया। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे शहडोल से कटनी की ओर जा रहा कोयले से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरा था। हादसे के बाद ट्रक में सवार चालक और कंडक्टर वाहन के अंदर फंस गए थे।



क्रेन और जेसीबी से रातभर चला रेस्क्यू

सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। क्रेन और जेसीबी की मदद से रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद चालक भगवान दास को बाहर निकालकर पाली अस्पताल भेज दिया गया था, लेकिन कंडक्टर को निकालने में बचाव दल को लंबी मशक्कत करनी पड़ी।

नौ घंटे बाद कोयले के ढेर से निकाला गया कंडक्टर

सुबह करीब नौ घंटे बाद रेस्क्यू टीम ने कंडक्टर को कोयले के ढेर से बाहर निकालने में सफलता हासिल की। उसे तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए पाली अस्पताल रवाना किया गया। रातभर चले इस बचाव अभियान के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुटी रही। कंडक्टर के बाहर निकलने से राहत मिली है। उसकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सफारी और टिकट बुकिंग की समय सारिणी

1 नवंबर से लागू समय-सारणी के अनुसार सुबह और शाम दो पालियों में होगी सफारी



उमरिया। (दीपक द्विवेदी) जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व घूमने जाने वाले पर्यटकों के लिए पार्क सफारी और टिकट काउंटरों के समय की जानकारी जारी की गई है। 1 नवंबर 2026 से प्रभावशील समय-सारणी के अनुसार पर्यटक सुबह और शाम दोनों पालियों में जंगल सफारी का आनंद ले सकेंगे।

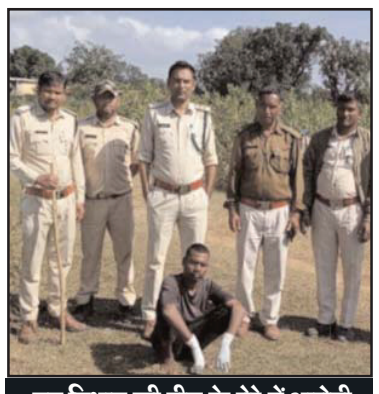
सुबह और शाम सफारी का समय

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर एवं बफर क्षेत्र में सुबह की सफारी प्रात: 6 बजे से 11:30 बजे तक होगी। वहीं शाम की सफारी दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित होगी। पर्यटक सफारी के टिकट सुबह 5:15 से 7:30 बजे तक, दोपहर 1:30 से 4 बजे तक और शाम 6 से 7:30 बजे तक टिकट काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं। पर्यटक बांधवगढ़ आने से पहले टिकट काउंटर और सफारी के निर्धारित समय का ध्यान रखें, ताकि उन्हें टिकट एवं जंगल सफारी के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिले के केशवाही झिरिया में जंगली सूअर का शिकार कर झाड़ियों में छिपाया शव, हाथों में खून के निशान देखकर पकड़ा आरोपी

जंगली सूअर के शिकार के मामले में वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी फरार हो गए। आरोपियों ने शिकार के बाद सूअर का शव झाड़ियों में छिपा दिया था।

शहडोल। (अविरल गौतम) जिले के केशवाही वन क्षेत्रों में वन्यप्राणियों के शिकार की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। केशवाही वन परिक्षेत्र के ग्राम झिरिया के राजस्व क्षेत्र में जंगली सूअर के शिकार का मामला सामने आया है। यहां तीन लोगों द्वारा जंगली सूअर का शिकार किए जाने का मामला वन विभाग की गश्ती टीम ने उजागर किया है। वन अमले और ग्रामीणों ने मौके से एक युवक को रंगे हाथ पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी फरार हो गए। आरोपियों ने शिकार के बाद जंगली सूअर के शव को झाड़ियों में छिपा दिया था। मौके से शिकार में इस्तेमाल किया गया लोहे का भाला भी बरामद किया गया है वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 1 नवंबर को शाम करीब चार बजे वन अमला ग्राम झिरिया के राजस्व क्षेत्र में गश्त कर रहा था। इसी दौरान टीम और ग्रामीणों की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। युवक की दोनों



वन विभाग की टीम के घेरे में आरोपी

हथेलियों पर खून लगा था और शरीर पर खरोंच के निशान भी दिखाई दे रहे थे। संदेह होने पर वनकर्मियों ने उससे पूछताछ की। युवक ने अपनी पहचान प्रेम बैगा (20), पिता परषोत्तम बैगा निवासी बैगान टोला झिरिया के रूप में बताई।हाथों में खून लगे होने के संबंध में सख्ती से पूछताछ की गई तो युवक वन अमले को सड़क किनारे झाड़ियों की तरफ ले गया। वहां उसने बताया कि जंगली सूअर का शिकार कर उसका शव छिपाया गया है। मौके पर पहुंचने पर वनकर्मियों को जंगली सूअर का शव और शिकार में इस्तेमाल किया गया लोहे का भाला मिला। वन विभाग की टीम ने मौके की घेराबंदी कर शव और औजार को सुरक्षित किया। पूछताछ में प्रेम बैगा ने अपने दो अन्य साथियों के नाम पारस बैगा और दीपू बैगा बताए। वन अमले ने दोनों के घर पहुंचकर तलाश की लेकिन वे फरार मिले। इसके बाद 2 नवंबर की सुबह सात बजे डॉग स्क्वायड की मदद से सर्चिंग कराई गई। शिकार में इस्तेमाल औजार की गंध के आधार पर डॉग स्क्वायड पारस और दीपू के घर तक पहुंचा। वन विभाग के अनुसार दोनों की तलाश जारी है। मामले में प्रकरण दर्ज कर वन्यप्राणी शिकार से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

जिले के बरगवां अमलाई नगर परिषद वार्ड-1 में नाली निर्माण बना आफत, बिना लेआउट और तकनीकी निगरानी के हो रहा काम!

सड़क पर मिट्टी और कीचड़ से दुर्घटनाओं का खतरा, घरों के रास्ते बाधित, निर्माण की गुणवत्ता पर भी उठे सवाल

अनूपपुर। (दीपक द्विवेदी) जिले के बरगवां अमलाई परिषद् द्वारा बरगवां अमलाई के वार्ड नंबर-1 में इन दिनों कराया जा रहा नाली निर्माण कार्य वार्डवासियों के लिए सुविधा की जगह परेशानी का सबब बन गया है। निर्माण कार्य में कथित लापरवाही और तकनीकी मानकों की अनदेखी के चलते स्थानीय लोगों के साथ-साथ मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नाली निर्माण के लिए सड़क किनारे की गई खुदाई से सड़क संकरी हो गई है। वहीं, खुदाई से निकली मिट्टी सड़क पर ही डाल दिए जाने के कारण रास्ते में कीचड़ और फिसलन की स्थिति बनी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर नाली का निर्माण कराया जा रहा है, वहां इसकी आवश्यकता को लेकर पहले से ही सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि नाली के अंतिम छोर (एंड पॉइंट) पर पानी निकासी के लिए कोई उचित व्यवस्था या स्थान ही नहीं है। इतना ही नहीं, निर्माण कार्य शुरू करने से पहले प्रोपर लेआउट भी तैयार नहीं किया गया। ऐसे में बिना उचित जल निकासी की योजना के नाली निर्माण की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं। सड़क पर फैली मिट्टी और कीचड़ के कारण बाइक सवार कई लोग फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। घरों के सामने रास्ते बाधित होने से लोगों को दैनिक आवागमन और निस्तार में परेशानी हो रही है। स्थिति यह है कि कई घरों में चारपहिया वाहनों का प्रवेश तक मुश्किल हो गया है।निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। आरोप है कि नाली के ऊपर बनाए जा रहे ढक्कन इतने कमजोर हैं कि पैर रखते ही दरारे आ जाती है और टूटने लगते हैं। ढक्कन लगाने के बाद भी सड़क की सतह एक समान नहीं हो पा रही है। कहीं नाली की दीवार सड़क से ऊपर है तो कहीं सड़क से नीचे। नाली का निर्माण भी कई स्थानों पर असमान दिखाई दे रहा है और नीचे का हिस्सा खोखला होने की शिकायत की जा रही है। नाली के बेस में महज डेढ़ इंच मोटी ढलाई की जा रही है, जो निर्माण की मजबूती और टिकाऊपन पर सवाल खड़े करती है। नाली को ढकने के लिए सड़क पर ही ढलाई किए जाने से आवागमन और अधिक जोखिम भरा हो गया है। वार्डवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य बिना किसी इंजीनियर की नियमित देखरेख के मनमाने तरीके से कराया जा रहा है। निर्माण में न तो एकरूपता दिखाई दे रही है और न ही निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन होता नजर आ रहा है। नाली निर्माण के दौरान पानी सप्लाई की मुख्य पाइपलाइन भी कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि पाइपलाइन टूटने के बाद उसकी मरम्मत कराए बिना ही उसके ऊपर नाली की ढलाई कर दी गई। इसके कारण पानी लगातार बह रहा है। इससे लगातार पेयजल की बर्बादी हो रही है, लोगों ने ने संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि नाली निर्माण की आवश्यकता, तैयार किए गए लेआउट, तकनीकी गुणवत्ता और स्वीकृत मापदंडों के अनुरूप हो रहे कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए। निर्माण स्थल पर तकनीकी अधिकारी या इंजीनियर की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा सड़क



पर फैली मिट्टी और मलबे को हटाकर आवागमन सुचारु किया जाए। लोगों का कहना है कि विकास कार्यों का उद्देश्य आमजन को सुविधा देना होना चाहिए, लेकिन वार्ड नंबर-1 में नाली निर्माण के नाम पर लोगों को परेशानी, दुर्घटना और अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारी मामले में तत्काल संज्ञान लेकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और उपयोगिता की जांच करें, ताकि सरकारी राशि का सदुपयोग हो और वार्डवासियों को राहत मिल सके।

संपादकीय

भारत की आर्थिक दिवाली या दुनियाँ में मंदी का महाजाल? विश्व बैंक की 50 करोड़ लोगों की गरीबी मुक्ति रिपोर्ट



वैश्विक स्तरपर दीपावली केवल दीपों,खुशियों और समृद्धि का पर्व नहीं है,बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश,निराशा पर आशा और संकट पर संकल्प की विजय का प्रतीक भी है।वर्ष 2026 की दीपावली ऐसे समय में आ रही है,जब भारतीय अर्थव्यवस्था एक ओर गरीबी उन्मूलन,हरित ऊर्जा,घरेलू उपभोग,मुक्त व्यापार समझौतों और आर्थिक सुधारों की नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रही है,वहीं दूसरी ओर वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव,महंगे कच्चे तेल,चीन के शेयर बाजार की कमजोरी और अमेरिका की अनिश्चित नीतियां विश्व अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,इसलिए इस बार भारतीय निवेशकों और आम नागरिकों के लिए सबसे बड़ा संदेश है कि आर्थिक उपलब्धियों का उत्सव अवश्य मनाएं, लेकिन वैश्विक जोखिमों को नजरअंदाज करके वित्तीय निर्णय न लें।इस दीपावली हमारा संकल्प होना चाहिए,आर्थिक आत्मनिर्भरता निवेश में विवेक,ऊर्जा में स्वावलंबन, रोजगार में गुणवत्ता और विकास में समानता।क्योंकि असली समृद्धि वह नहीं जो केवल शेयर बाजार में चमके, बल्कि वह है जिसकी रोशनी देश के अंतिम नागरिक के घर तक पहुंचे।29 अक्टूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी.अनंत नागेश्वरन ने कहा कि वर्ष 2026 भारत के लिए 1991 जैसा महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। उनका आशय 1991 जैसी भुगतान संतुलन की आपातस्थिति से नहीं, बल्कि बदलती वैश्विकआर्थिक व्यवस्था में भारत को अपनी रणनीति बदलने की आवश्यकता से था। उन्होंने आयात प्रतिस्थापन,घरेलू विनिर्माण,निर्यात प्रतिस्पर्धा और महत्वपूर्ण संसाधनों में रणनीतिक आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं!

साथियों बात अगर हम गरीबी उन्मूलन की ऐतिहासिक उपलब्धि ¯49.6 करोड़ लोगों के जीवन में बदलाव को समझने की करें तो इस दीपावली भारत के लिए सबसे उत्साहजनक समाचार विश्व बैंक की 30 अक्टूबर 2026 को चर्चा में आई अक्टूबर की इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रिफ रिपोर्ट है। इसके अनुसार वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में लगभग 49.6 करोड़ लोग प्रतिदिन 4.20 डॉलर की निम्न-मध्यम आय वाले देशों की अंतरराष्ट्रीय गरीबी सीमा से ऊपर आए। इस मानक पर गरीबी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया।वहीं तीन डॉलर प्रतिदिन के अत्यधिक गरीबी मानक पर गरीबी 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत हुई। दोनों आंकड़े 2021 की क्रयशक्ति समता यानी पीपीपी पर आधारित हैं। यह उपलब्धि घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि,ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती कार्य भागीदारी और खाद्यान्न सब्सिडी जैसे सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों से जुड़ी है।वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ की वृद्धि भी दर्ज की गई।इसका वैश्विक संदेश स्पष्ट है कि भारत का विशाल घरेलू बाजार निवेश और उत्पादन के लिए आकर्षक बन रहा है। लेकिन इस उपलब्धि के साथ विश्व बैंक ने आय की असमानता भी रेखांकित की है। शीर्ष 10 प्रतिशत और निचले 10 प्रतिशत के बीच आय का अंतर लगभग 13 गुना है। इसलिए गरीबी से बाहर निकलने के बाद अगली चुनौती गुणवत्तापूर्ण रोजगार,बेहतर वेतन,शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थायी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।केवल गरीबी का आंकड़ा घटना पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार की वास्तविक क्रयशक्ति बढ़ना भी आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम हरित हाइड्रोजन के 23 अनुबंध¯ भारत की ऊर्जा कूटनीति को नई ताकत को समझने की करें तो,भारत की दूसरी बड़ी उपलब्धि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत सामने आई है।नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की 29 अक्टूबर की जानकारी के अनुसार 2023 में मिशन शुरू होने के बाद भारतीय कंपनियों ने कुल 23 ऑफटेक अनुबंध किए हैं, जिनकी प्रतिबद्धता लगभग 5,55, 610 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हरित हाइड्रोजन समतुल्य है। इनमें 2026 के दौरान 18 नए समझौते हुए हैं और 70 प्रतिशत से अधिक मात्रा निर्यात के लिए निर्धारित है। इन परियोजनाओं से लगभग 90,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।जापान,दक्षिण कोरिया और यूरोपीय बाजारों के साथ ग्रीन अमोनिया तथा ग्रीन मेथनॉल के समझौते भारत को स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान दिला सकते हैं।इससे विदेशी मुद्रा अर्जन, रोजगार,तकनीकी निवेश, औद्योगिक विकास और ऊर्जा कूटनीति को मजबूती मिलेगी।हालांकि ध्यान रहे कि ये खरीद-आपूर्ति प्रतिबद्धताएं हैं,पूरी हो चुकी उत्पादन उपलब्धियां नहीं परियोजनाओं का समय पर निर्माण, सस्ती नवीकरणीय बिजली, जल उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी उत्पादन लागत ही इन समझौतों को वास्तविक आर्थिक सफलता में सटीकता से बदलेंगे।

साथियों, इसी दिशा में केंद्र सरकार ने 26 अक्टूबर को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन करके ई85 के साथ ई 100 ईंधन को भी मान्यता दी है। यह भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।ई 100 मुख्यतःएथेनॉल आधारित ईंधन है,जिसका उपयोग केवल उसके अनुकूल और प्रमाणित फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों में किया जा सकेगा। सामान्य ई 20 वाहनों को ई100 के अनुकूल नहीं माना जा सकता।भारत में गन्ना, मक्का और अन्य कृषि आधारित स्रोतों से एथेनॉल उत्पादन बढ़ने पर किसानों की आय, ग्रामीण उद्योग और रोजगार को लाभ मिल सकता है। सबसे बड़ा रणनीतिक लाभ कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने का है। लेकिन इसके लिए एथेनॉल की पर्याप्त उपलब्धता, खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों का संतुलित उपयोग, वाहन निर्माण और देशव्यापी ईंधन वितरण नेटवर्क विकसित करना होगा।

सब का पानी एक, सब की हवा एक
सब का मालिक एक



साहबजादा अब्दुल रशीद खान
प्रधान सम्पादक सच्चे दिन समूह

चीन में एआई का बुलबुला फूटा: 4 महीनों में 480 अरब डॉलर का नुकसान



शंघाई स्थित स्टार50 सूचकांक जुलाई में अपने उच्चतम स्तर से लगभग 40 प्रतिशत गिर गया है। इसके अलावा, चीन का व्यापक ब्लू-चिप सूचकांक सीएसआई300 भी जून में अपने उच्चतम स्तर से लगभग 20 प्रतिशत गिर गया है। यह गिरावट पिछले दो वर्षों में चीन की कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और रोबोटिक्स कंपनियों के प्रति उत्साह और जोश में आई भारी कमी को दर्शाती है¯ जैसे-जैसे लोग रोबोटिक्स, एआई या सेमीकंडक्टर के भविष्य के लाभों और उनसे होने वाले नुकसानों के बारे में अधिक जागरूक हो रहे हैं, वैसे-वैसे जनता में मोहभंग शुरू होता दिख रहा है। अत्यधिक मूल्यांकन, भविष्य की मांग पर सवाल, चीनी प्रौद्योगिकी निर्यात पर संभावित प्रतिबंध और लाभ के लिए बेचने का दबाव निवेशकों के विश्वास को हिला रहा है¯ उच्च मूल्यांकन के अलावा, चीन का एआई उद्योग एक और गंभीर बाधा का सामना कर रहा है।

चीन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बढ़ता क्रेज अचानक आभासी दुनिया से निकलकर कठोर वास्तविकता में आ गया है।

AI और सेमीकंडक्टर शेयरों में आई भारी बिकवाली ने चार महीने से भी कम समय में लगभग 480 अरब डॉलर (लगभग 40 लाख करोड़ रुपये) के बाजार मूल्य को खत्म कर दिया है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, शंघाई स्थित शीर्ष 50 प्रौद्योगिकी कंपनियों पर नज़र रखने वाला मुख्य स्ञ्जक्र0 सूचकांक जुलाई में अपने उच्चतम स्तर से लगभग 40 प्रतिशत गिर गया है। इसके अलावा, चीन का व्यापक ब्लू-चिप सूचकांक ष्टस्ढ्ढ300 भी जून में अपने उच्चतम स्तर से लगभग 20 प्रतिशत गिर गया है। यह गिरावट पिछले दो वर्षों में चीन की कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और रोबोटिक्स कंपनियों के प्रति आए जबरदस्त उत्साह और उछाल में एक बड़ा उलटफेर है।

विशेषज्ञों के अनुसार, लोग अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इसकी बढ़ती संभावनाओं, इसकी पहुंच और इसके नकारात्मक परिणामों और जोखिमों के बारे में अधिक जागरूक हो रहे हैं। जैसे-जैसे लोग रोबोटिक्स, AI या सेमीकंडक्टर से भविष्य में होने वाले लाभों और हानियों के बारे में अधिक जागरूक हो रहे हैं, ऐसा लगता है कि इनके प्रति लोगों की अरुचि शुरू हो गई है।

जनता के नज़रिए में अचानक आए बदलाव का सीधा असर बाज़ार पर देखने को मिला। यह ध्यान देने योग्य है कि चीनी एआई शेयरों में आई इस गिरावट के पीछे कोई एक कारण नहीं है। अत्यधिक उच्च मूल्यांकन, भविष्य की मांग पर सवाल, चीनी प्रौद्योगिकी निर्यात पर संभावित प्रतिबंध और मुनाफ़ा कमाने के लिए शेयरों को बेचने का दबाव, इन सभी ने निवेशकों का भरोसा हिला दिया है।

सबसे बड़ी समस्या यह थी कि यह तेज़ी हकीकत से ज़्यादा अटकलों पर आधारित थी। निवेशकों ने इस उम्मीद में पैसा लगाया कि ये कंपनियां एआई, उन्नत चिप्स और रोबोटिक्स के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के बीजिंग के मिशन से सीधे तौर पर लाभान्वित होंगी। सरकार द्वारा आर्थिक प्रोत्साहन के वादों ने भी बाज़ार को बढ़ावा दिया, जिसमें प्रौद्योगिकी कंपनियां सबसे बड़ी लाभार्थी बनकर उभरीं। जैसे-जैसे शेयर की कीमतें बढ़ीं, मूल्यांकन भविष्य की वृद्धि की अवास्तविक अपेक्षाओं को दर्शाने लगे।

निवेशकों का मानना ??था कि एआई बुनियादी ढांचे की मांग बढ़ती रहेगी और चिप्स, रोबोटिक्स सिस्टम और डेटा सेंटर कंपोनेंट्स की आपूर्ति करने वाली कंपनियां इस मांग को भारी मुनाफ़े में बदल देंगी। लेकिन अपेक्षाएं वास्तविक व्यावसायिक वृद्धि से कहीं ज़्यादा तेज़ी से बढ़ती हैं। जब शेयर की कीमतों में आने वाले वर्षों में अत्यधिक तेज़ वृद्धि को पहले से ही शामिल कर लिया जाता है, तो एक छोटी सी गलती या भावना में बदलाव भी शेयरों में भारी गिरावट ला सकता है।

इन शेयरों में निवेश की मात्रा इतनी अधिक थी कि गिरावट भी उतनी ही चौंकाने वाली थी। रॉयटर्स द्वारा उद्धृत गोल्डमैन सैक्स के आंकड़ों के अनुसार, चीन में सूचीबद्ध ए-शेयर और हांगकांग में सूचीबद्ध एच-शेयर में एआई शेयरों का बाजार पूंजीकरण में 42 प्रतिशत और कारोबार में 57 प्रतिशत हिस्सा था।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि उच्च मूल्यांकन के अलावा, चीन का एआई उद्योग एक और गंभीर बाधा का सामना कर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों, विशेषकर अमेरिकी बाजारों तक पहुंच पर लगे प्रतिबंध और अस्थिरता का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि एआई डेटा केंद्रों में उपयोग होने वाले उपकरणों के चीनी आपूर्तिकर्ताओं पर संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से शेयरों की बिकवाली तेज हो रही है।

ऑप्टिकल कंपोनेंट्स इसका एक प्रमुख उदाहरण हैं। ऑप्टिकल ट्रांससीवर डेटा केंद्रों में सिस्टमों के बीच डेटा ट्रांसफर करने में मदद करते हैं, जो एआई कंप्यूटिंग के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। डेटा केंद्रों की बढ़ती मांग के बीच चीनी निर्माता झोंगजी इनोलाइट और ईओप्टोलिंक टेक्नोलॉजी ने भारी निवेश आकर्षित किया, लेकिन अमेरिकी डेटा केंद्रों को आपूर्ति करने की उनकी क्षमता प्रतिबंधित होने की चिंताओं के कारण उनके शेयर जून-जुलाई के उच्चतम स्तर से लगभग 60 प्रतिशत गिर गए हैं।

चीन में एआई के बढ़ते विकास के कारण खुदरा निवेशकों ने देश की तकनीकी क्षमताओं को विकसित करने के नाम पर बड़ी संख्या में शेयर खरीदे। लेकिन अब इस उत्साह की परीक्षा हो रही है।

रोबोट निर्माता यूनिट्री, जिसके शेयर ऑफर को खुदरा निवेशकों ने 8,000 गुना अधिक सब्सक्राइब किया था, अगस्त में लिस्टिंग के बाद से इसके शेयरों में भारी गिरावट आई है। चिप निर्माता सीएक्सएमटी, मेटाएक्स इंटीग्रेटेड सर्किट्स और मूर थ्रेड्स टेक्नोलॉजी को भी भारी नुकसान हुआ है।

मेटाएक्स और मूर थ्रेड्स के शेयर, जो पिछले साल अपने डेब्यू पर क्रमशः 700 प्रतिशत और 400 प्रतिशत बढ़े थे, जुलाई से अब तक अपनी आधी कीमत खो चुके हैं। यूनिट्री के नवीनतम वित्तीय परिणाम मंदी की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। कंपनी ने तीसरी तिमाही में 665 मिलियन युआन (लगभग 100 मिलियन डॉलर) का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, शुद्ध लाभ 17.4 प्रतिशत गिरकर 112.7 मिलियन युआन रह गया, जो विश्लेषकों के अनुमान से कम है, क्योंकि अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर खर्च दोगुने से अधिक हो गया है। इसके शेयरों में भी भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। ये परिणाम दर्शाते हैं कि व्यावसायिक विकास और निवेशकों की अपेक्षाएं हमेशा एक ही दिशा में नहीं चलतीं।

एक और बात यह है कि मंदी के कारण मूल्यांकन में गिरावट आई है, लेकिन चीनी टेक स्टॉक अभी भी सस्ते या किफायती नहीं हैं। रॉयटर्स के अनुसार, स्ञ्जक्र0 इंडेक्स अभी भी अपने पिछले मुनाफे के लगभग 100 गुना मूल्यांकन पर कारोबार कर रहा है, जो पहले लगभग 250 गुना था। इसके मुकाबले, अमेरिकी नैस्डैक 100 अपने पिछले मुनाफे के मात्र 30 गुना पर कारोबार कर रहा है। हालांकि दोनों बाजारों की तुलना हर मायने में एक जैसी नहीं है, लेकिन यह अंतर दर्शाता है कि चीनी तकनीकी शेयरों को लेकर अभी भी अत्यधिक आशावाद है। निवेशकों को अब यह देखना होगा कि शेष मूल्यांकन कंपनियों की वास्तविक राजस्व, लाभ और स्थायी नकदी प्रवाह उत्पन्न करने की क्षमता के अनुरूप हैं या नहीं।

एआई हार्डवेयर और रोबोटिक्स जैसे तेजी से बदलते उद्योगों में यह बेहद महत्वपूर्ण है।

खुलकर हंसना व मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है



दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यूं वो इंसान हर दुनियां मे खुश है। महाभारत मे धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अछी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन मे संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनिया मे खुश नही हो सकता। आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता है.वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है।

साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुत¯ प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं¯ अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है।

मज़बूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है

सृष्टि रचनाकर्ता ने मानवीय जीव के रूप में बहुत ही खूबसूरत रचना कर उसमें अनेक गुण दोषों का संयोजन उसने कर दिया है और उनका चुनाव करने के लिए श्रेष्ठ बुद्धि कौशलता रुपी एक सशक्त अस्त्र भी दिया है, बस!अब अपने जीवन चक्र को सफलताओं या असफलताओं की ओर ले जाना मानवीय जीव के हाथ में है।माननीय जीवन ने गुणों के उनके गुणों में से एक इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण गुण है जो सफलता की चाबी भी है,परंतु न जाने क्यों हम इसको अनदेखा कर देते हैं और हम असफल हो जाते हैं और उसका दोष किस्मत या सृष्टि रचनाकर्ता को देते हैं जबकि उसनें मनुष्य जीव में गुणों का अंबार भरा है, बस!जरूरत है हमें अपने बुद्धि कौशलता से उसे पहचान कर प्रयोग करने की,तो सफलता आकर हमारे कदम चूमेगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दृढ़ इच्छाशक्ति यह सफ़लताओं की चाबी है।मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी हो जाती है, क्योंकि प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है जिसके बल पर हम बड़ी से बड़ी पहाड़ तुल्य समस्याओं से भी यूं मुकाबला कर फ़तह हासिल कर सकते हैं।

साथियों हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति की परिभाषा की करें तो, इच्छाशक्ति वह वृत्ति चक्र है जिसके अंतर्गत प्रत्यय, अनुभूति इच्छा, गति या प्रवृत्ति, शरीर धर्म सबका योग रहता है। जो संकल्प को साकार करने का माध्यम बनती है वह इच्छाशक्ति कहलाती है। ऐसी बलवती इच्छा को जिसकी ज्योति अहर्निश कभी मंद न हो, उसे दृढ़ इच्छाशक्ति कहते हैं। हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही हमको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।

साथियों बात अगर हम दृढ़ इच्छाशक्ति के टाइमिंग की करें तो, जीवन में किसी भी चीज को पाने के लिए मेहनत से पहले मजबूत इच्छाशक्ति का होना बेहद जरूरी है। जैसे, कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति शुरुआत में किसी चीज को पाना चाहता है लेकिन धीरे-धीरे उसका हौंसला टूटने लगता है या उसका मन बदल जाता है, ऐसा कमजोर इच्छाशक्ति के कारण होता है इसलिए किसी भी चीज को पाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का होना बहुत जरूरी है।

बारिश से कांग्रेस की भव्य रैली पर खतरा मंडरा रहा है

दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को होने वाली रैली के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। बारिश के कारण रामलीला मैदान में पानी भर गया है। मैदान में कीचड़ और पानी जमा होने से रैली की तैयारियों में बाधा आ रही है। रैली में करीब 50 हजार लोगों के आने की आशंका को देखते हुए मैदान को 14 जोन में बांटा गया है। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए करीब 4 हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। रामलीला में प्रवेश के लिए मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। सुरक्षा जांच के बाद ही लोगों को मैदान में प्रवेश करने दिया जाएगा। रैली के मद्देनजर दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थानों पर करीब 150 ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। रैली सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी एसीपी रैंक के एक अधिकारी को सौंपी गई है। दो जोन की जिम्मेदारी एडिशनल डीसीपी रैंक के एक अधिकारी के पास है।

इंडिया ब्लॉक रैली से पहले कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। भाजपा भी इसी तरह की प्रतिक्रिया दे रही है। रविवार को इंडिया ब्लॉक की रैली से पहले सत्ताधारी दल और विपक्षी दलों के बीच तीखी बहस छिड़ गई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधा। रिजिजू ने कांग्रेस से पांच सवाल पूछे। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कांग्रेस से सवाल किए। रिजिजू ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, मतदाता सूची से नाम हटाने और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सवाल पूछे। 1 नवंबर को होने वाली रैली को लेकर दिल्ली के व्यापारी भी चिंतित हैं। हालांकि, कुछ कांग्रेस नेता खुलकर कह रहे हैं कि ये दिल्ली के व्यापारी कभी कांग्रेस को वोट नहीं देते और भाजपा के साथ ही रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर कांग्रेस की आलोचना की। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस सरदार वल्लभभाई पटेल को नजरअंदाज करके उन्हें भुलाने की लगातार कोशिश कर रही है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने शाह के आरोपों का जवाब दिया। खुर्शीद ने कहा, इस तरह की टिप्पणियां देश के पहले उप प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करती हैं। हमारा मानना है कि सरदार पटेल अन्य महान नेताओं के समान ही सम्मान के पात्र हैं। हम सरदार पटेल के विचारों, उनके शब्दों और उनके कार्यों के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं। अमित शाह ऐसी टिप्पणियां क्यों करते हैं ऐसी टिप्पणियां करके वे सरदार पटेल की छवि को धूमिल कर रहे हैं और उनके प्रति सम्मान को कम कर रहे हैं।

तमिलनाडु कांग्रेस और वीसीके कार्यकर्ता दिल्ली रैली के लिए जोश में हैं। तमिलनाडु कांग्रेस और वीसीके ने 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाले कांग्रेस मार्च के लिए अपने कार्यकर्ताओं को जुटाने की योजना बनाई थी। कांग्रेस हाई कमांड ने तमिलनाडु कांग्रेस के नेताओं और उसके सहयोगी वीसीके से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को दिल्ली भेजने का आग्रह किया था। माना जा रहा है कि तमिलनाडु के प्रत्येक जिले से कम से कम 150 कार्यकर्ता दिल्ली आएंगे। मेलियादुथुरी की सांसद आर सुधा ने कहा कि राहुल गांधी के आह्वान के बाद तमिलनाडु कांग्रेस के कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं। देशभर से कम से कम पांच लाख कार्यकर्ता दिल्ली आएंगे। कार्यकर्ताओं के अलावा, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और पार्टी के अन्य संगठनों के कार्यकर्ता भी दिल्ली आने वाले हैं। वीसीके के एक नेता ने भी कहा कि तमिलनाडु भर से उनके समर्थक दिल्ली पहुंचेंगे।

संगकारा ने आरोप लगाया कि डबलिन हवाई अड्डे पर उनका अपमान किया गया।

श्रीलंका के पूर्व कप्तान और वरिष्ठ क्रिकेटर कुमार संगकारा ने आरोप लगाया है कि आयरलैंड के डबलिन हवाई अड्डे पर एयरलाइन कर्मचारियों ने उनके साथ नस्लीय भेदभाव किया। संगकारा के अनुसार, रयानएयर के गेट स्टाफ ने उनके और उनके परिवार के साथ अपमानजनक और धमकी भरा व्यवहार किया। कर्मचारियों ने उनके पासपोर्ट को लेकर भी उनका अपमान किया। सोशल मीडिया पर एक यूजर से बहस करते हुए संगकारा ने इस अनुभव को नस्लीय भेदभाव करार दिया। उन्होंने Ryanair को टैग करते हुए लिखा, क्या डबलिन में Ryanair के गेट स्टाफ द्वारा किसी और के साथ भी बुरा बर्ताव किया गया है उनके बोलने का तरीका और व्यवहार धमकी भरा था। मुझे बताया गया कि इस तरह का बर्ताव सिर्फ आप जैसे पासपोर्ट धारक के साथ ही किया जा सकता है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद सरकार के महागठबंधन में आंतरिक तनाव बढ़ गया है।

दीपावली पर्व के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा प्रशासन की विशेष कार्रवाई

इन्दौर। दीपावली पर्व के दौरान आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला इंदौर द्वारा विशेष निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश, भोपाल श्री मनोज पुष्प के निर्देशन तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में की जा रही इस कार्रवाई के तहत 30 एवं 31 अक्टूबर 2026 को इंदौर एवं बेटमा क्षेत्र के मिठाई, नमकीन एवं दुग्ध उत्पाद निर्माण तथा विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। दो दिवसीय अभियान में कुल 15 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 54 खाद्य नमूने जांच हेतु



संग्रहित किए गए।

30 अक्टूबर को सात प्रतिष्ठानों का निरीक्षण- अभियान के पहले दिन पूजा डेरी स्वीट्स एंड नमकीन, विदुर नगर से पनीर एवं मावा के दो नमूने लिए गए। पदम श्री स्वीट्स एवं नमकीन, काली बिल्लोर, बेटमा से मिल्क केक, पनीर एवं मलाई बर्फी के तीन नमूने संग्रहित किए गए। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के संबंध में प्रतिष्ठान को सुधार सूचना पत्र जारी किया जा रहा है।

इसी तरह श्री राम स्वीट्स एवं नमकीन, बेटमा से मिल्क केक, पेड़ा, केसर पेड़ा, खोपरा पाक एवं दूध कतली के पांच नमूने लिए गए। प्रतिष्ठान संचालक को साफ-सफाई बनाए रखने तथा खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं भंडारण में स्वच्छता संबंधी आवश्यक निर्देश दिए गए। नवकार के नमकीन, बेटमा से सेव एवं मिक्सचर के दो नमूने, राजू खंडेलवाल नमकीन भंडार, बाणगंगा से विभिन्न प्रकार के नमकीन के पांच नमूने तथा गौरव रेस्टोरेंट, सांवेर रोड से पेड़ा, गुपचुप एवं बेसन लड्डू के तीन नमूने संग्रहित किए गए। इसके अतिरिक्त सिद्धिविनायक डेरी स्वीट्स एवं नमकीन, भगत सिंह नगर से मलाई बर्फी, मिल्क केक एवं मलाई टिकिया के तीन नमूने जांच हेतु लिए गए।

31 अक्टूबर को आठ प्रतिष्ठानों का निरीक्षण- अभियान के दूसरे दिन आरंभ स्वीट्स एंड नमकीन, रानी बाग, खंडवा रोड से मावा, रंगीन बर्फी एवं बेसन पतीसा के तीन नमूने तथा गुप्ता स्वीट्स, रानी बाग से केसरिया पेड़ा, सफेद पेड़ा, गुपचुप, हरियाणा बर्फी एवं बेसन लड्डू के पांच नमूने संग्रहित किए गए।

मां अंबे दूध दही भंडार, निपानिया से पनीर, घी, दूध एवं मिठाई के छह नमूने तथा ममता स्वीट्स, निपानिया से मिठाई के चार एवं नमकीन के दो नमूने लिए गए। मिलन स्वीट्स एंड नमकीन, न्यू गोरी नगर से मिल्क केक, पेड़ा एवं बेसन लड्डू के तीन नमूने तथा श्री गंगा दूध डेयरी एंड स्वीट्स, मिर्जापुर, तेजाजी नगर चौराहे के पास से घी, मीठा मावा, पनीर एवं मिश्रित दूध के चार नमूने संग्रहित किए गए।

इसी क्रम में फखरी स्वीट्स एंड फरसान, खातीवाला टैंक से मीठी पूरी एवं नमकीन के दो नमूने तथा पालीवाल स्वीट्स एवं नमकीन, मुसाखेड़ी से सेव एवं काजू कतली के नमूने लिए गए। पालीवाल स्वीट्स एवं नमकीन में खाद्य पदार्थों की प्राथमिक जांच भी की गई।

खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन के दिए निर्देश- निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय की परिस्थितियों, साफ-सफाई तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन पर विशेष ध्यान दिया गया। खाद्य कारोबारकर्ताओं को निर्माण एवं भंडारण स्थलों की नियमित सफाई रखने, सुरक्षित कच्चे माल का उपयोग करने, खाद्य पदार्थों को बाहरी संदूषण से बचाने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

अभियान के दौरान संग्रहित खाद्य नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा दीपावली पर्व के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और नमूना संग्रहण की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। अभियान का उद्देश्य त्योहार के अवसर पर आमजन को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर इंदौर में उत्साह और उमंग के साथ निकली 'रन फॉर यूनिटी'

इन्दौर। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में इंदौर में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। एकता, अखंडता और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता का संदेश लेकर निकली इस दौड़ में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।



नेहरू स्टेडियम से सुबह प्रारंभ हुई इस एकता दौड़ का शुभारंभ विधायक श्री महेंद्र हार्डिया एवं अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार ने हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ में शामिल युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। एकता दौड़ नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ होकर जीपीओ, शिवाजी वाटिका, एमपीपीएससी चौराहा, ट्रैफिक पार्क और रेसीडेंसी होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई।

इस मौके पर युवाओं को एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिये राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए युवाओं और नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, आपसी सद्भाव एवं देशभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना था। आयोजन के माध्यम से नागरिकों को एकजुट होकर राष्ट्र की प्रगति और सुरक्षा में सहभागी बनने का संदेश दिया गया। एकता दौड़ में विभिन्न शासकीय अशासकीय शिक्षा संस्थानों के छात्र छात्राये, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस, स्काउट्स, प्रोफेसर, खेल शिक्षक एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

फिर कपड़ा नगरी बनेगा इंदौर, 20 हजार करोड़ का निवेश और अंतरराष्ट्रीय बदलाव बनाएंगे इसे टेक्सटाइल हब

इंदौर कभी टेक्सटाइल उद्योग का मुख्य केंद्र हुआ करता था, लेकिन कुछ कारणों से यह पूरी तरह से पिछड़ गया था। अब सरकार की नई नीतियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आ रहे बदलावों की वजह से इंदौर के टेक्सटाइल उद्योग की चमक एक बार फिर से लौटेगी। जल्द ही इंदौर टेक्सटाइल उद्योग में देश का मुख्य केंद्र बनकर उभरेगा। यहां पर काम करने वाले लोग, ट्रांसपोर्ट के बेहतर माध्यम और अनुकूल रहन-सहन की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इस वजह से यहां पर औद्योगिक विकास तेजी से होगा। यह बातें केतन सांघवी ने इंदौर में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। वे इंडिया इंटरनेशनल टेक्सटाइल मशीनरी एग्जिबिशन्स सोसाइटी के चेयरमैन हैं।



ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी में मिलेंगे वैश्विक अवसर- ग्रेटर नोएडा में 4 से 9 दिसंबर तक टेक्सटाइल मशीनरी प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। उसी सिलसिले में इंदौर के उद्योगपतियों से मिलने के लिए वे इंदौर आए थे। उन्होंने कहा कि इस इवेंट के माध्यम से इंदौर के वस्त्र निर्माताओं और प्रोसेसर्स को वैश्विक तकनीकों एवं व्यावसायिक अवसरों तक पहुंच मिलेगी। आज का बिजनेस लोकल टू ग्लोबल की तर्ज पर होता है। इसलिए हर व्यापारी को अंतरराष्ट्रीय तकनीकों के बारे में जानना आवश्यक है।

मध्य प्रदेश में बढ़ता निवेश और पीएम मित्र पार्क गेम चेंजर- केतन ने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश भारत के टेक्सटाइल और परिधान उद्योग के एक उभरते केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। राज्य में निर्माण, गारमेंट उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। नीतिगत सहयोग, बुनियादी ढांचे के विकास और कुशल कार्यबल तैयार करने पर राज्य के फोकस से इस क्षेत्र की क्षमताओं को मजबूती मिल रही है। मध्य प्रदेश में निवेश, रोजगार और व्यावसायिक विकास के नए अवसर पैदा होने की उम्मीदें साफ दिख रही हैं। मध्य प्रदेश में इंदौर के पास धार में पीएम मित्र पार्क के लिए प्रस्तावित 20,000 करोड़ रुपए का निवेश राज्य के टेक्सटाइल इकोसिस्टम को महत्वपूर्ण गति देने की क्षमता रखता है। इससे एकीकृत टेक्सटाइल विनिर्माण को बढ़ावा मिलने और पूरी वैल्यू चेन में निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है।

केतन ने कहा कि एआई की वजह से टेक्सटाइल उद्योग में बड़े बदलाव आ रहे हैं। बड़ी मशीनें आती जा रही हैं जो बहुत तेज गति से काम करने की क्षमता रखती हैं। हालांकि एक हद तक ही मशीन काम कर सकती है। उसके बाद अधिकतर काम इंसान को ही करना है। वहीं मशीनों को संभालने के लिए भी इंसान की ही जरूरत है। इसलिए आप खुद नया सीखते जाएं और काम बढ़ाते जाएं। कार्यक्रम में एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के चेयरमैन योगेश मेहता, इंटरनेशनल टेक्सटाइल एसोसिएशन के चेयरमैन अवधेश शर्मा, एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट प्रकाश जैन तथा इंदौर रेडीमेड गारमेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट आशीष निगम ने भी संबोधित किया।

लिव-इन में रह रही महिला की संदिग्ध मौत, फ्लैट में पड़ा मिला शव, पोस्टमार्टम से खुलेगा राज

इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही 42 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव एक कॉलेज के पास स्थित आईडीए मल्टी के फ्लैट में मिला। मृतका का नाम पिंकी बताया जा रहा है।



घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। शुरुआती जांच में महिला के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं, वहीं घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जिसके बाद ही महिला की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

दरअसल बीती रात परदेशीपुरा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि आईडीए मल्टी के एक फ्लैट में महिला मृत अवस्था में पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फ्लैट का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान मृतका की पहचान 42 वर्षीय पिंकी के रूप में हुई। आसपास के लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक पिंकी गणेश नामक व्यक्ति के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी।

महिला की अचानक हुई मौत से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में महिला के शरीर पर बाहरी चोट या संघर्ष के कोई स्पष्ट निशान सामने नहीं आए हैं। इसके अलावा मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। ऐसे में फिलहाल मौत को संदिग्ध मानते हुए पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। महिला की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई, किसी बीमारी के चलते हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

बहरहाल पुलिस संबंधित व्यक्ति और आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही महिला की दिनचर्या, घटना से पहले की परिस्थितियों और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रदेश में 16 नवीन छात्रावास स्वीकृत

14 जिलों में लगभग 68 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बनेंगे नवीन सर्वसुविधायुक्त छात्रावास

इन्दौर। प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश के 14 जिलों में लगभग 68 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से 50 सीटर क्षमता वाले 16 नवीन छात्रावास भवनों के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रत्येक छात्रावास भवन का निर्माण लगभग 4 करोड़ 29 लाख 99 हज़ार रुपये की लागत से किया जाएगा और इसे आगामी 24 माह की समय-सीमा में पूर्ण किया जाएगा।

प्रत्येक छात्रावास भवन का निर्माण मानक अनुसार 1401.20 वर्ग मीटर के बिल्ट-अप एरिया में किया जाएगा। विद्यार्थियों के सुगम आवास और नियमित अध्ययन के लिए मुख्य भवन में 25 आवासीय कक्ष, डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर रूम, आधुनिक लाइब्रेरी, कंप्यूटर कक्ष और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग कक्ष का निर्माण किया जाएगा।साथ ही परिसर में छात्रावास अधीक्षक के लिए आवासीय गृह, चौकीदार कक्ष और 3 यूनिट सुव्यवस्थित शौचालय एवं स्नानागार का निर्माण होगा।

स्मार्ट शिक्षा, सुरक्षा और पर्यावरण-अनुकूल संसाधन युक्त होंगे छात्रावास- छात्रावासों को आधुनिक तकनीक और उच्च स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। विद्यार्थियों की डिजिटल शिक्षा के लिए इंटरएक्टिव पैनल और सुरक्षा के लिए परिसर में सीसीटीवी कैमरे, पक्की बाउंड्री वॉल और एप्रोच रोड का प्रावधान किया गया है। साथ ही शुद्ध पेयजल के लिए वाटर प्यूरीफायर (आरओ), निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए इन्वर्टर, सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और आवश्यक फर्नीचर उपलब्ध कराए जाएंगे। जल संरक्षण की दृष्टि से सभी छात्रावासों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाएगा।

14 जिलों के विद्यार्थियों को मिलेगा सीधा लाभ-इन 16 छात्रावासों से प्रदेश के विभिन्न अंचलों के छात्र-छात्राओं को उच्च स्तरीय आवासीय सुविधा का लाभ मिलेगा। इसके तहत सीहोर जिले के आष्टा में उत्कृष्ट बालक छात्रावास एवं जूनियर बालिका छात्रावास, सागर के नरयावली में सीनियर बालक छात्रावास, दतिया के सेवड़ा में सीनियर कन्या छात्रावास, मऊगंज में सीनियर बालक छात्रावास और उज्जैन के कोठी रोड पर महाविद्यालयीन बालक छात्रावास स्वीकृत किए गए हैं।

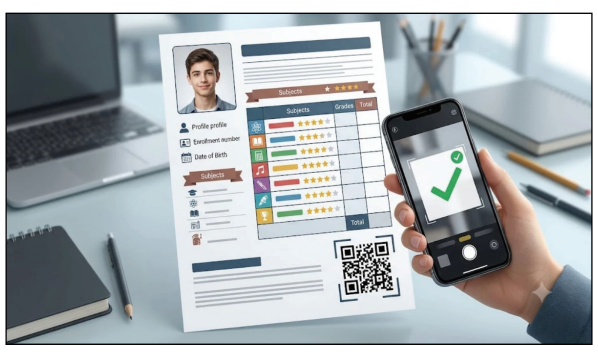
इसी प्रकार बड़वानी में सीनियर बालिका नवीन छात्रावास और महाविद्यालयीन बालिका छात्रावास, झाबुआ में सीनियर बालक छात्रावास, राजगढ़ के ब्यावरा में सीनियर बालिका छात्रावास, रीवा के सिरमौर में जूनियर कन्या छात्रावास, टीकमगढ़ के बम्हौरीकला में सीनियर बालिका छात्रावास, नीमच के चचैर में सीनियर बालक छात्रावास, भोपाल के भदभदा में सीनियर बालक छात्रावास, छतरपुर के वारीगढ़ में सीनियर बालिका छात्रावास तथा ग्वालियर के बनवार में बालिका छात्रावास का निर्माण किया जाएगा।

अंकसूची में होगा विद्यार्थियों का फोटो और क्यूआर कोड, आसानी से हो सकेगा सत्यापन

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) अपनी अंकसूची को हाईटेक बनाने जा रहा है। उसमें नए और अत्याधुनिक सुरक्षा फीचर्स जोड़ने पर विचार कर रहा है।

खास बात यह होगी कि अंकसूची पर छात्र-छात्राएं की फोटो लगाई जाएगी। ऐसा करने से विद्यार्थियों की पहचान हो सके। इतना ही नहीं फर्जी अंकसूची पर भी लगाम कसी सके। विश्वविद्यालय के मुताबिक अंकसूची पहले से ज्यादा सुरक्षित होगी।क्यूआर कोड, वाटरमार्क और विशेष प्रकार के कागज का इस्तेमाल किया जाएगा।

इससे किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर मार्कशीट का इस्तेमाल करना मुश्किल होगा



नई अंकसूची को लेकर विश्वविद्यालय ने एजेंसी से संपर्क किया है। उन्होंने अंकसूची में संबंधित विद्यार्थी की फोटो भी लगाने पर जोर दिया है। इससे किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर मार्कशीट का इस्तेमाल करना मुश्किल होगा। दस्तावेज देखने वाली संस्था फोटो के माध्यम से विद्यार्थी की पहचान भी कर सकेगी। अब मार्कशीट पर केवल नाम और रोल नंबर ही नहीं, बल्कि विद्यार्थी की तस्वीर भी उसकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी।

स्कैन करते ही मिलेगी जानकारी- नई अंकसूची में क्यूआर कोड रखा जाएगा। इसे मोबाइल से स्कैन करते ही अंकसूची से जुड़ी वास्तविक जानकारी सामने आ सकेगी। इससे नौकरी देने वाली कंपनियां, कालेज और अन्य संस्थान आसानी से जांच सकेंगे कि मार्कशीट असली है या नहीं। इसके लिए विश्वविद्यालय के कार्यालय में जाकर सत्यापन कराने की जरूरत भी कम होगी।

चार स्तरों पर होगी सुरक्षा- अंकसूची को सुरक्षित बनाने के लिए चार प्रमुख फीचर्स शामिल किए जाएंगे। इनमें क्यूआर कोड, डीएवीवी का विशेष मोनोग्राम, किनारों पर उभरा हुआ वाटरमार्क और फाड़ने पर आसानी से नष्ट नहीं होने वाला उच्च गुणवत्ता का कागज शामिल है। विश्वविद्यालय नई व्यवस्था को डिजिलाकर और एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट्स (एबीसी) से जोड़ने की तैयारी कर रहा है। इससे विद्यार्थी अपनी डिजिटल मार्कशीट कभी भी डाउनलोड कर सकेंगे। वर्ष 2020-21 के बाद प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की उपलब्ध एबीसी और आयुष्मान आईडी से जुड़ी जानकारी को भी सिस्टम में एकीकृत करने की योजना है।

मार्कशीट के लिए देना पड़ सकता है ज्यादा शुल्क - परीक्षा नियंत्रक अशेष तिवारी ने बताया कि अंकसूची में इन सुविधाओं के लागू होने से डीएवीवी मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन सकता है, जो इस तरह की सुरक्षित डिजिटल मार्कशीट जारी करेगा। एजेंसियों से कुछ सिक्यूरिटी फीचर्स पर चर्चा चल रही है।

बिजली कंपनी के एमडी श्री सिंह ने किया औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण

इन्दौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने शनिवार को खरगोन जिले के निमरानी औद्योगिक क्षेत्र का दौरा किया, श्री सिंह ने औद्योगिक इकाइयों तक पहुंचकर बिजली आपूर्ति और शासकीय सुविधाओं, रियायत के बारे में जानकारी ली।



श्री अनूप कुमार सिंह ने निगरानी क्षेत्र की अति उच्च दाब लाइन, सब स्टेशन, उच्च दाब लाइन, सब स्टेशन, निम्न दाब लाइन इत्यादि की बिजली अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र, औद्योगिक इकाइयों का भी भ्रमण किया। औद्योगिक इकाइयों से उत्पादन इत्यादि विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह से संवाद कार्यक्रम के दौरान श्रीवरद इंडस्ट्रीज के श्री प्रवीण गुप्ता, मार्डन डेयरी के श्री विकास ठाकुर, डेस्टरोज के श्री यादव , कोरोमंडल फर्टिलाइजर के से दीपक कुमरावत , खाद्य प्रसंस्करण यूनिट फ्रूट्स के श्री अखिलेश पाटीदार, प्लास्टिक इकाइ उत्तम इंडस्ट्रीज के श्री यादव, पीडीपीएल इंडस्ट्रीज के श्री गोस्वामी , एवं अडानी इकाई के श्री स्वरूप उपस्थित थे। प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने श्रीवरद इंडस्ट्रीज एवं मराल इंडस्ट्रीज का विस्तृत निरीक्षण किया , इस दौरान इकाइयों के कार्मिकों, संचालकों से भी चर्चा की गई। प्रबंध निदेशक श्री सिंह के दौरे में अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक श्री संजय मालवीय, खरगोन अधीक्षण अभियंता श्री जेपी ठाकुर, मंडलेश्वर कार्यपालन अभियंता श्री आमेर कुरैशी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार



शिवसेना में नए पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

सीधी। शिवसेना जिला इकाई की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर जिले सहित विभिन्न विधानसभा, ब्लॉक एवं सेक्टर स्तर पर संगठनात्मक कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार किया गया। प्रदेश पदाधिकारियों की सहमति तथा प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय की मौजूदगी में जिला अध्यक्ष बेनाम सिंह बघेल ने संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपीं। इस दौरान प्रभात जायसवाल को ऑटो सेना का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

जय सिंह चौहान बने सपा के प्रदेश महासचिव

सीधी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव, मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष नीरज सिंह दंडोतिया एवं समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश सचिव धर्मेंद्र सिंह बघेल के निर्देश पर जय सिंह चौहान राजू को समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। जय सिंह चौहान राजू की इस नियुक्ति से पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

ब्राउन शुगर सहित आरोपी गिरफ्तार

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय राघवेंद्र द्विवेदी के मार्गदर्शन में थाना जमोड़ी पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 10.05 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मौके पर पहुंचकर अंकित लखेरा पिता कृष्णपाल लखेरा उम्र 25 वर्ष निवासी सर्वोदय चौराहा, थाना कोतवाली, जिला सीधी को गिरफ्तार किया है ।

चुरहट में शहीद स्मारक पर सांसद ने अर्पित की श्रद्धांजलि

सीधी। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों के सम्मान में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सीधी जिले के चुरहट स्थित पीएम-श्री जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में बने अमर जवान ज्योति शहीद स्मारक पहुंचकर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित कर देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों के बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि देश के वीर जवान कठिन परिस्थितियों में भी सीमाओं और देश की सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं।



कृषि नवाचारों को समर्पित रहा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

सांसद ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का किया आह्वान

सीधी (ब्यूरो)

किसानों की खुशहाली, कृषि की समृद्धि और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का जिला स्तरीय समारोह रविवार को कृषि विज्ञान केंद्र सीधी में कृषि एवं किसान कल्याण को समर्पित कृषि लोकोत्सव के रूप में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह में प्रदेश की गौरवशाली विकास यात्रा के साथ कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों, किसानों के योगदान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

वंदेमातरम एवं मध्यप्रदेश गान के सामूहिक गायन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मीसाबंदियों एवं वीर नारियों का



सम्मान किया गया। कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जिले के 10 प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया गया। वहीं किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व की क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को ट्रैक्टर, बुलेट एवं ई-स्कूटी जैसे आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

विभिन्न योजनाओं के आठ हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के कल्याण और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, कृषि में आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहित करने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

कृषि के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने स्थापित किए नए कीर्तिमान-रीती

सीधी विधायक रीती पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की उन्नति और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। मध्यप्रदेश ने कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रदेश को लगातार सात बार कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया जाना किसानों के परिश्रम और कृषि विकास के लिए किए गए प्रयासों का प्रमाण है।

एनसीएल में कोल इंडिया का 52वां स्थापना दिवस मनाया गया

सीधी (ब्यूरो)

रविवार को नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में होल्डिंग कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का 52वां स्थापना दिवस धूम-धाम से समारोहपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन), मनीष कुमार, निदेशक (तकनीकी/संचालन), आशुतोष द्विवेदी, निदेशक (तकनीकी/परियोजना व योजना), संजय कुमार मिश्रा, सीवीओ, एनसीएल, अजय कुमार जायसवाल सहित, कंपनी जेसीसी सदस्यगण, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष ने मुख्यालय में स्थित



शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रम शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। एनसीएल के श्रमिक संघ के जेसीसी सदस्यगण, सीएमएस से अजय कुमार, बीएमएस से नीतीश कुमार, एचएमएस से अशोक कुमार पाण्डेय, एनसीएल के सभी विभागाध्यक्ष, अन्य श्रमिक संघों व एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में एनसीएल कर्मी उपस्थित रहे।

उमंग, उत्साह से मनाया गया मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस



सीधी (ब्यूरो)

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में प्रदेश का 71वां स्थापना दिवस उमंग, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन अटल सामुदायिक भवन, बिलौंजी में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। समारोह में सिंगरौली विधायक श्री रामनिवास शाह, देवसर विधायक राजेन्द्र मेश्राम, महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल, प्रभारी कलेक्टर संघप्रिय, पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम., नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, प्राधिकरण अध्यक्ष वीरेन्द्र गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह, पूर्व विधायक राम लल्लू बैस, सुभाष बर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह, अध्यक्ष नगर परिषद बरगवा प्रमिला बर्मा, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।समारोह का शुभारंभ राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन हुआ। अतिथियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।समारोह में उपस्थित अतिथियों का नगर निगम आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान ने पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। समारोह में बिमल म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने प्यारा लगे अपना मध्यप्रदेश गीत सहित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। वहीं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने नृत्य एवं गायन के माध्यम से आकर्षक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बनाया।

चुवाही छात्रावास में मनाया गया स्थापना दिवस समारोह



सीधी (ब्यूरो)

नगर परिषद मझौली अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनु सूचित जनजाति कन्या छात्रावास चुवाही में 01 नवंबर को स्थापना दिवस का कार्यक्रम समारोह पूर्वक आयोजित किया गया जहां कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी मझौली आकाश अग्रवाल रहे वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रवीण तिवारी ने अध्यक्षता की, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र सिंह गौतम मौजूद रहे।

कार्यक्रम में सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया।इसके बाद छात्रवास की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। छात्रवास की अधिक्षक आराधना श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रवास की बालिकाओं ने सामूहिक प्रस्तुति देते हुए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।जिसमें प्रमुख रूप से आदिवासी लोक नृत्य एवं राधा कृष्ण के भजनों में सजीव रासलीला की प्रस्तुति को ताली बजाकर सराहना की गई।

एनटीपीसी में राष्ट्रीय एकता दिवस व सतर्कता जागरूकता रैली का आयोजन



सीधी (ब्यूरो)

एनटीपीसी सिंगरौली में राष्ट्रीय एकता दिवस एवं सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता रैली एवं सतर्कता जागरूकता रैली (वॉकथॉन) का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। सत्यनिष्ठा से समृद्धि÷ थीम पर आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के साथ ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक आचरण के मूल्यों को सुदृढ़ करने और भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया। रैली का शुभारंभ अंबेडकर भवन, टाउनशिप परिसर से हुआ और इसका समापन सिद्धार्थ भवन अतिथि गृह में हुआ। एनटीपीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, सीआईएसएफ के जवानों, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों, विद्यार्थियों एवं कॉलोनीवासियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर राष्ट्रीय एकता और सत्यनिष्ठा का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान अगम प्रकाश तिवारी, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) एवं अंजन कुमार पाल, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं ईंधन प्रबंधन) ने उपस्थित जनसमूह को सतर्कता जागरूकता से संबंधित शपथ दिलाई। प्रतिभागियों ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के साथ व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों का पालन करने का संकल्प लिया।

एसपी की जन सुनवाई रही बेअसर, पीड़ित परेशान

सीधी (ब्यूरो)

आम नागरिकों को न्याय दिलाने और पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित पुलिस अधीक्षक की जनसुनवाई भी यदि पीड़ितों को राहत नहीं दिला पा रही है, तो पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। जिला मुख्यालय स्थित सिटी कोतवाली क्षेत्र का एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां पीड़ित परिवार न्याय की आस में पहले थाने के चक्कर काटता रहा और जब वहां सुनवाई नहीं हुई तो पुलिस अधीक्षक की जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंचा। लेकिन आरोप है कि वहां शिकायत देने के बाद भी अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। इससे पीड़ित परिवार में पुलिस प्रशासन से न्याय पाने की उम्मीद धूमिल होती नजर आ रही है। प्राप्त शिकायत के अनुसार उत्तर करौंदिया वार्ड क्रमांक 10 केंद्रीय विद्यालय के पास निवासी राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय ने आरोप लगाया है कि उनकी भूमि की बाउंड्रीवाल तोडक़र संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। साथ ही परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकियां भी दी गईं। इस संबंध में पीड़ित पक्ष द्वारा 1 अगस्त 2026 को सिटी कोतवाली में लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन शिकायतकर्ता का आरोप है कि बार-बार थाने जाने के बावजूद थाना प्रभारी द्वारा मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।





इनका कहना है

मामला संज्ञान में आया है। मामले में जांच कर उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

राघवेन्द्र द्विवेदी, डीएसपी मुख्यालय सीधी

शौर्य प्रताप सिंह ने हासिल किया प्रथम स्थान



सीधी (ब्यूरो)

दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसायटी (डीपीएसएस) के तत्वावधान में दिल्ली पब्लिक स्कूल, गोमतीनगर, लखनऊ द्वारा 27 एवं 28 अक्टूबर 2026 को आयोजित राष्ट्रीय हिंदी-संस्कृत महोत्सव 'अभिव्यक्ति अभिव्यक्ति से संस्कृति तक' में दिल्ली पब्लिक स्कूल, विंध्यनगर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। कक्षा 9 से 12 के प्रतिभागियों के वर्ग में आयोजित संस्कृत प्रतियोगिता 'वाग्विद्या संगमः' में शौर्य प्रताप सिंह ने अपनी प्रतिभा, संस्कृत भाषा पर पकड़ एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के बल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। महोत्सव में हिंदी एवं संस्कृत भाषा और साहित्य पर आधारित विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी महोत्सव के अंतर्गत 'अनुगूँज विस्मृत कवियों की वाणी', 'देश में वीर, शब्दों में स्वतंत्रता', 'दृष्टिकोण ÷ खलनायक की नज़र से' तथा 'विचार-मंथन ÷ शब्दों का युद्ध' जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में कुल 22 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की और अपनी भाषायी प्रतिभा, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति-कौशल तथा तार्किक चिंतन का परिचय दिया।

श्रीरामलीला उत्सव में पहुंचे विधायक

सीधी (ब्यूरो)

मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन सीधी के सहयोग से सिहावल में आयोजित पांच दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव में भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का आकर्षक एवं भावपूर्ण मंचन किया जा रहा है। लौआ देवी मंदिर, मायापुर स्टेडियम में आयोजित इस सांस्कृतिक उत्सव में 50 से अधिक कलाकारों द्वारा रामायण के प्रमुख प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। शनिवार को आयोजित लीला समारोह में सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक सहित स्थानीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने सहभागिता की और कलाकारों की प्रस्तुतियों का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मोरवा थाना क्षेत्र में सीईटीआई कालोनी की घटना

रेल से कटे युवक की हुई शिनाख्त



सीधी (ब्यूरो)

शनिवार देर शाम मोरवा थाना क्षेत्र में सीईटीआई कॉलोनी के समीप रेलवे फाटक से महज 20 से 25 मीटर की दूरी पर मिले युवक के शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान रजत प्रताप सिंह पिता शिव कुमार के रूप में हुई है।

वह मूलतः उत्तर प्रदेश के कानपुर के आसपास का निवासी बताया जा रहा है तथा एनसीएल के



झिंगुरदह परियोजना में ई एंड एम विभाग में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था।

नहीं मिला मृतक का मोबाइल

मृतक की पहचान उसके पास से मिले एनसीएल के पहचान पत्र के आधार पर की गई है। पुलिस के अनुसार रजत एनसीएल झिंगुरदह परियोजना क्षेत्र में ही निवास करता था। ऐसे में उसका सीईटीआई गेट के समीप रेलवे ट्रैक तक पहुंचना कई सवाल खड़े कर रहा है। मृतक का मोबाइल फोन घटनास्थल अथवा उसके पास से नहीं मिला है। युवक झिंगुरदह से घटनास्थल तक कैसे पहुंचा और घटना से पहले वह किन परिस्थितियों में था, फिलहाल यह पुलिस के लिए अनसुलझी पहेली है।

मोबाइल की तलाश में जुटी है पुलिस

पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतक के मोबाइल फोन को बरामद करना पुलिस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। पुलिस मोबाइल की तलाश के साथ कॉल डिटेल रिकॉर्ड (ष्टष्ठक्र) के जरिए यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि घटना से पहले रजत ने किन किन लोगों से बातचीत की थी और उसकी आखिरी गतिविधियां क्या थीं।

भव्य ढंग से मनाई गई लौह पुरुष की जयंती



सीधी (ब्यूरो)

गत 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर पटेल समाज द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें पूर्व पार्षद व जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता राम लल्लू बैस बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बैस सहित वरिष्ठ भाजपा नेता आर.टी. पटेल, महेंद्र सिंह पटेल व अन्य पदाधिकारियों ने जयंत स्थित नेहरू शताब्दी चिकित्सालय तिराहे पर स्थापित सरदार पटेल के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री बैस ने कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता, एकता एवं अखंडता के लिए सरदार साहब का अतुलनीय योगदान देशवासियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

इजरायल चुनाव में किसी को बहुमत नहीं... इस राजनीतिक गतिरोध का भारत



नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल में चुनाव के बाद किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। नतीजा यह है कि दोनों ही मुख्य पार्टी लिकुड और यशर को तीसरी अरब पार्टियों के साथ मिलकर ही सत्ता में पहुंचने का रास्ता बनता दिख रहा है।

अरब पार्टियों की सीटों में बढ़ोतरी का असर साफ दिख रहा है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के नेतृत्व वाली लिकुड और पूर्व सेना प्रमुख गादी आइसेनकोट की विपक्षी पार्टी यशर सत्ता में आने से दूर रह गई हैं। नेतन्याहू की पार्टी को 53 और गादी की पार्टी को 48 सीटें मिली हैं। वहीं अरब पार्टियों को इस बार 19 सीटें मिली हैं।

नेतन्याहू ने मतदाताओं से अपील की थी कि वे उन्हें देश को मुश्किल हालात से निकालने वाले नेता के तौर पर वोट दे। हालांकि वोटरों पर इस तरह की अपील का प्रभाव नहीं दिखा। नतीजा यह हुआ कि उनके गुट की सीटें 68 से घटकर 53 रह गईं। बता दें कि मतदान प्रतिशत लगभग 78 फीसदी रहा। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले और उसके बाद गाजा, लेबनान और ईरान में हुए युद्धों के बाद यह पहला राष्ट्रीय चुनाव है।

इजरायल और ईरान के बीच अभी भी गतिरोध जारी है। गाजा का भविष्य अनिश्चित है। लेबनान में तनाव है, और वेस्ट बैंक में भी हालात ठीक नहीं हैं। कुल मिला कर ये कहा जा सकता है कि सत्ता बदल भी जाए तो नीति बदलेगी या नहीं ये अभी तय नहीं हो सकता है।

हां यह जरूर है कि नेतन्याहू कमजोर जरूर हुए हैं लेकिन अभी भी रेस में आगे हैं। अगर सरकार बनाने का दावा होगा तो राष्ट्रपति को पहले उन्हें ही मौका देना होगा। उनके पीएम बनते ही फिर से इजरायल अपनी पुरानी नीति पर तेजी से आगे बढ़ेगा। वहीं, आइसेनकोट ईरान और हमास के प्रति सख्त रुख रखते हैं। वे फिलिस्तीनी राष्ट्र के गठन का भी विरोध करते हैं।

भारत के लिए क्यों है अहम- भारत-इजरायल के संबंध अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं हैं। इसमें अब संयुक्त उत्पादन, तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, खेती, जल प्रबंधन, अंतरिक्ष और व्यापार जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। पीएम मोदी और नेतन्याहू की दोस्ती भी कई बार वैश्विक मंच पर सुर्खियां बटोर चुकी हैं।

दोनों देशों के लिए रक्षा समझौता अहम

दोनों ही रक्षा समझौते को काफी महत्व देते हैं। नवंबर 2025 में ही दोनों देशों ने रक्षा सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (मेमोरेंडम) पर हस्ताक्षर किया था। इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि सत्ता के बदलने से दिल्ली और यरुशलम के बीच रिश्ते नहीं बदलेंगे।

अगर आइसेनकोट की सरकार आती है, तो उनकी प्राथमिकता यूरोप के साथ बेहतर संबंध हो सकती है। ऐसे हालात में केंद्र सरकार के लिए ये चुनौती होगी कि वह बिना किसी रुकावट के नए नेताओं के साथ बेहतर तालमेल बिठाएं। इसके साथ ही भारत सरकार के लिए यह भी चुनौती कम नहीं होगी कि अरब देशों और ईरान के साथ अपने पुराने रिश्ते को दरकिनार ना करते हुए इजरायल की नई सरकार के साथ भी गहरे संबंध स्थापित करे।

भारत ने UN सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए ठोकी दावेदारी, AI बेस्ड समुद्री सुरक्षा का रखा प्रस्ताव



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट पाने की भारत की दावेदारी के लिए समुद्री सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मुख्य केंद्र बनाया है।

सुरक्षा परिषद में एक उच्च-स्तरीय चर्चा के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने जोर देकर कहा कि साझा समुद्री क्षेत्रों को विवाद का केंद्र बनाने की बजाय अधिक सुरक्षित बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

भारत अगले साल सुरक्षा परिषद की अस्थायी सीट के लिए चुनाव लड़ रहा है, जिसका कार्यकाल 2028 से शुरू होगा। इसके लिए मतदान अगले साल जून में होगा, जिसमें एशिया-प्रशांत समूह श्रेणी की एकमात्र सीट के लिए भारत और ताजिकिस्तान के बीच मुकाबला होगा।भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वथानेनी ने कहा, भारत ने 2028-2029 के लिए सुरक्षा परिषद में अपनी उम्मीदवारी के लिए AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और समुद्री सुरक्षा को महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं माना है।

हरीश पर्वथानेनी ने आगे कहा, हमारा उद्देश्य स्पष्ट है- तकनीक को मानव सुरक्षा को मजबूत करना चाहिए, न कि उसे कमजोर करना। इसे अवसरों का विस्तार करना चाहिए, न कि असमानता को और इसे हमारे साझा समुद्री क्षेत्रों को अधिक सुरक्षित बनाना चाहिए, न कि विवादों से भरा।

भारतीय राजदूत ने साइबर खतरों और वाणिज्यिक जहाजों पर होने वाले हमलों के खिलाफ बोलते हुए कहा, %विकासशील देशों को अपने समुद्री बुनियादी ढांचे को सुरक्षित रखने और तकनीकी शासन को आकार देने में सार्थक रूप से भाग लेने के लिए तकनीक, प्रशिक्षण और संस्थागत क्षमताओं तक पहुंच की आवश्यकता है।हरीश पर्वथानेनी ने हाल ही में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों के बारे में कहा, ये हमले नाविकों के लिए खतरा पैदा करते हैं, सप्लाई चेन को बाधित करते हैं और विकासशील देशों पर अधिक लागत और आर्थिक अनिश्चितता के रूप में बहुत बुरा असर डालते हैं। यह चर्चा ऐसे समय में हुई जब ईरान की नौसेना ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में तीन तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंगों (सी माइन्स) से टकरा गए और उनमें आग लग गई। यह घटना समुद्री खतरों को उजागर करती है।हरीश पर्वथानेनी ने कहा,ढ्ढ की मदद से सैटेलाइट तस्वीरों, रडार और जहाजों को ट्रैक करने वाले डेटा का विश्लेषण करके समुद्री क्षेत्र की बेहतर समझ बनाई जा सकती है और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाया जा सकता है।

घरों में इमरजेंसी राशन जमा कर रहे जापान, अमेरिका और ब्रिटेन के लोग; क्या होने वाला है कुछ बड़ा?



नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के कई विकसित देश अपने लोगों से घर पर जरूरी सामानों का स्टॉक रखने की सलाह दे रहे हैं। इन देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, नॉर्वे, फिनलैंड, स्वीडन समेत कई अन्य शामिल हैं।

इन देशों की सरकार ने अपने नागरिकों को आपातकाल के लिए तैयार रहने को कहा है। साथ ही कहा कि अपने घरों में जरूरी चीज जैसे खाना, पानी, दवा और अन्य जरूरी आइटमों का स्टॉक बना कर रखें। किसी भी आपातकाल स्थिति में बाहर से संपर्क कटने पर सामान मंगाने की जरूरत ना पड़े।

कितने दिन का अलर्ट- सभी देशों ने लगभग दो दिन, सात दिन या 10 दिन तक की योजना पर काम करने को कहा है। इसमें एक मात्र अमेरिका है जो अपने सैन्य ठिकानों के लिए 90 दिनों की योजना पर काम कर रहा है। अमेरिका में सैन्य ठिकाने 90 दिनों तक स्वतंत्र रूप से काम कर सकें ऐसी योजना बनाई है। इस कड़ी में जापान दो नवंबर को अपनी योजना की घोषणा कर सकता है।

क्यों जारी किया गया अलर्ट- विभिन्न देशों की सरकारों की ओर से जारी अलर्ट में खराब मौसम, बाढ़, बिजली की कमी, इंटरनेट की सेवा में बाधा, साइबर हमले सहित युद्ध जैसे खतरे का अंदेशा जताया गया है। इनसे आम जीवन प्रभावित होने का अंदेशा जताया गया है। इसलिए सरकार की कोशिश है कि किसी भी तरह की परेशानी आने पर लोगों को बाहरी मदद या सरकार की मदद की आस में ना बैठना पड़े।

कहां क्या है सलाह- ब्रिटेन में बी रेडी अभियान शुरू हुआ है। इसके तहत लोगों को तीन दिन का पानी, जल्द खराब ना होने वाला खाना,जरूरी दवाएं, टॉर्च, बैटरियां, रेडियो, पावर बैंक और कुछ पैसे पास में रखने की सलाह दी गई है।

अमेरिका में लोगों को इस तरह की सलाह नहीं दी गई है लेकिन सैनिकों के लिए अलर्ट जारी हुआ है। उन्होंने 90 दिनों तक बाहरी सप्लाई पर निर्भर न रहने की योजना बनाई है। किसी बड़े युद्ध, साइबर हमले या बुनियादी ढांचे पर हमले की स्थिति में सैनिकों के काम में बाधा ना आए इसलिए ऐसी योजना पर काम हो रहा।

जापान की नई राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी नागरिकों से कम से कम तीन दिन और अगर संभव हो तो एक सप्ताह तक का खाना-पानी एवं जरूरी सामान घर में रखने की सलाह देगी। जापान की सरकार के मुताबिक किसी बड़े भूकंप के बाद

अमेरिका ने यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल बेचने की दी मंजूरी, लेकिन डिलीवरी में लग सकते हैं कई साल



नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश विभाग ने बताया कि शुक्रवार को टंप प्रशासन ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति ने चेतावनी दी है कि इनकी डिलीवरी में कई साल लग सकते हैं।

इस मंजूरी को समीक्षा के लिए कांग्रेस के पास भेजा जाएगा। ये मंजूरी यूक्रेन के अधिकारियों की उन शिकायतों के बाद आई है, जिनमें उन्होंने कहा था कि उनके पास मौजूद इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार कम होता जा रहा है।

विभाग ने जारी किया बयान- विभाग ने एक बयान में कहा, इस प्रस्तावित बिक्री से यूक्रेन की एकीकृत वायु और मिसाइल रक्षा क्षमताओं में सुधार होगा, जिससे वह मौजूदा और भविष्य के खतरों का बेहतर सामना कर सकेगा। इस बयान में इस बात का कोई अनुमान नहीं दिया गया कि ये हथियार यूक्रेन को कब तक सौंपे जा सकते हैं।

लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इन हथियारों की डिलीवरी शुरू होने में अभी कुछ साल लग सकते हैं।

जेलेंस्की ने कहा, हम अपने अमेरिकी साझेदारों से कह रहे हैं कि वे उस समय के लिए कोई समाधान निकालें, जब सच में कोई बड़ा खतरा हो और क्ब्ष्ट-3 इंटरसेप्टर का इस्तेमाल करने की वास्तविक जरूरत हो।

यूक्रेनी नेता ने सुझाव दिया कि अमेरिका और यूरोपीय सहयोगी अपने पास मौजूद मिसाइलों का भंडार उनके देश को दे सकते हैं और बाद में नई खरीद के जरिए इन भंडारों की भरपाई की जा सकती है।

तनाव बढ़ने के बाद मिली मंजूरीरूसी ड्रोन और मिसाइलों को रोकने के लिए यूक्रेन के पास मौजूद हथियारों में पैट्रियट मिसाइलें सबसे महत्वपूर्ण हथियारों में से एक हैं। विदेश विभाग ने कहा, यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्यों को समर्थन देगी। इससे एक ऐसे सहयोगी देश की सुरक्षा मजबूत होगी, जो यूरोप में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

इस महीने की शुरुआत में वॉशिंगटन द्वारा रूस के साथ डीजल ईंधन का समझौता करने के बाद अमेरिका और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ गया था। यूक्रेन ने यह भी कहा कि अमेरिका उसे सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं तक पहुंच देने में देरी कर रहा था और उसने खुफिया जानकारी साझा करना भी कुछ हद तक रोक दिया था।

20 अक्टूबर को ओस्लो में जेलेंस्की की अमेरिकी दूतों के साथ बातचीत के बाद तनाव कम हुआ। विदेश विभाग ने कहा कि हथियारों की बिक्री का भुगतान यूक्रेन के सहयोगियों द्वारा दिए गए चंदे से किया जाएगा, न कि अमेरिकी फंड से।

तुर्किए में फोटोशूट के दौरान गुब्बारों के साथ उड़ने लगी दुल्हन, फोटोग्राफर ने बचाने के लिए लगाई दौड़



नई दिल्ली (एजेंसी)। इंस्ताबुल में फोटोशूट के दौरान एक दुल्हन के साथ बड़ा अजीब ही वाकया हुआ। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई। प्रसिद्ध बोस्फोरस स्ट्रेट के पास फोटो खिंचवाने के दौरान एक बेहद खूबसूरत पल तब अचानक एक अप्रत्याशित मोड़ ले लेता है जब हवा का एक तेज झोंका वहां आ गया।

दुल्हन ने गुब्बारों का एक बड़ा गुच्छा पकड़ रखा था ताकि उसकी तस्वीरों में एक शानदार और हवा में उड़ने जैसा लुक आ सके। लेकिन तेज हवा और खुले पानी के पास हीलियम गुब्बारों पकड़ना किसी खतरे से कम नहीं है।

इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, हवा का एक तेज झोंका सीधे गुब्बारों के उस गुच्छे से टकराया। जो गुब्बारे एक सुंदर बैकग्राउंड का काम कर रहे थे अचानक एक मजबूत रस्सी की तरह बन गए। उन्होंने दुल्हन का संतुलन बिगाड़ दिया और उसे खींचते हुए पास की ही पत्थर की दीवार की तरफ ले जाने लगे।

फोटोग्राफर की फुर्ती ने स्थिति को संभाल लिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि हवा का जोर बढ़ने पर दुल्हन खुद को संभालने की पूरी कोशिश कर रही है। पहली नजर में ऐसा लगता है कि वह बस अपने प्रॉप्स (सामान) को संभालने में संघर्ष कर रही है। लेकिन जैसे-जैसे हवा तेज होती है, उसके पैर जमीन पर फिसलने लगते हैं और ऐसा लगता है कि वह जमीन से ऊपर उठ जाएगी।

फोटोग्राफर ने दुल्हन को बचाया

खुशकिस्मती से फोटोग्राफर सिर्फ कैमरे के पीछे छिपकर खड़ा नहीं रहा। खतरे को तुरंत भांपते हुए उसने अपना सारा सामान वहीं छोड़ दिया और दौड़कर दुल्हन को पकड़ लिया, इससे पहले कि वह पत्थर के ढांचे से टकराती या किनारे की ओर और करीब खिंच जाती।

कैमरे पर यह पल भले ही कितना भी डरावना लग रहा हो, लेकिन इसका अंत राहत भरा रहा। दुल्हन को एक खरोंच तक नहीं आई, उसने खुद को संभाला और जैसे-तैसे अपना बाकी फोटोशूट पूरा किया।

3 साल में पैसा ट्रिपल, आशीष काचोलिया के पोर्टफोलियो वाले शेयर का मल्टीबैगर रिटर्न



नई दिल्ली (एजेंसी)। नॉलेज मरीन एंड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड ने अपने ड्रेजिंग व्यवसाय को समुद्री संपत्ति संचालन और शिपबिल्डिंग के साथ बढ़ाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इसका समेकित ड्रेजिंग और सहायक सेवाओं का राजस्व बढ़कर 193.50 करोड़ रुपये हो गया, और कंपनी ने अब तक का सबसे बड़ा ड्रेजिंग ऑर्डर प्राप्त किया है, जो न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी से 303.17 करोड़ रुपये का रखरखाव ड्रेजिंग अनुबंध है। आशीष काचोलिया के इस शेयर ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। 2024 में शेयरों की कीमत 957 रुपये थी जो अब बढ़कर 3400 रुपये तक जा चुकी है।

यह तीन साल का अनुबंध, जिसमें कर शामिल हैं, वित्तीय वर्ष 2026-27, 2027-28 और 2028-29 को कवर करता है। इसका वार्षिक आधार मूल्य लगभग 101.07 करोड़ रुपये है और इसे चरूश्वद्धड्ड के सबसे कम बोलीदाता के रूप में उभरने के बाद प्रदान किया गया था। कंपनी ने कहा कि उसकी बोली प्रतिस्पर्धी बोलीदाता द्वारा प्रस्तुत बोली से लगभग 10.16 प्रतिशत कम थी।

KMEW बाहरी अप्रोच चैनल, लैगून, डॉक क्षेत्रों, टर्निंग सर्कल, बर्थ फेस और पंप-हाउस क्षेत्रों में काम करेगा। 7.5 किमी बाहरी अप्रोच चैनल को चार्ट डेटम से 15.40 मीटर तक की गहराई तक ड्रेज किया जाएगा। कंपनी बर्थ-फेस और पंप-हाउस कार्य के लिए विशेष उपकरणों के साथ एक ट्रेलिंग सक्शन होपर ड्रेजर, एक पोत जो सामग्री को अपने होपर में ड्रेज और स्टोर करता है, तैनात करने की योजना बना रही है।

आशीष काचोलिया की कितनी हिस्सेदारी- प्रख्यात निवेशक आशीष काचोलिया ने सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही के अनुसार, कंपनी के शेयरधारिता डेटा के अनुसार, नॉलेज मरीन एंड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड के 5,74,721 इक्विटी शेयरों को धारण किया था, जो कंपनी में 2.27 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

30 अक्टूबर, 2026 को दोपहर 12:22 बजे, चरूश्वद्धड्ड के शेयर 3,140.10 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जो पिछले बंद से 1.8 प्रतिशत बढ़ा हुआ था। स्टॉक अपने 52-सप्ताह के उच्च स्तर 3,347.50 रुपये से लगभग 6.2 प्रतिशत नीचे था। पिछले वर्ष के दौरान, शेयरों में 172.68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, परिणामस्वरूप, स्टॉक ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

निवेशकों के लिए इसका क्या मतलब है यह पुरस्कार चरूश्वद्धड्ड को एक प्रमुख बंदरगाह पर तीन साल का संचालन मंच प्रदान करता है और बड़े-वॉल्यूम ड्रेजिंग कार्य की ओर बढ़ने की इसकी रणनीति का समर्थन करता है। अनुबंध को नवंबर 2026 में काम शुरू होने के बाद बेड़े की तैनाती की दृश्यता को मजबूत करना चाहिए। निश्चित 150-दिवसीय वार्षिक निष्पादन विंडो जहाज की गतिशीलता, उपकरण उपलब्धता और मानसून के बाद की शेड्यूलिंग को डिलीवरी के लिए केंद्रीय बनाती है।

कैलिफोर्निया की नहर में मिला भारतीय मूल की महिला का शव, दो महीने से थी लापता



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहने वाली भारतीय मूल की एक महिला करीब दो महीने से लापता थीं। अब उनका शव नहर में काम करने वाले एक कर्मचारी को गश्त के दौरान मिला। सेरेस पुलिस विभाग ने बताया कि यह शव भारतीय मूल की अजीत कौर का है, जो अगस्त से लापता थीं। इनके शव को स्टैनिस्लॉस काउंटी कोरोनर कार्यालय भेजा गया, जहां 27 अक्टूबर को उसकी पहचान की गई। दो महीने से लापता थीं अजीत कौर- अजीत कौर के 23 अगस्त 2026 को सेरेस के कासा ग्रांडे अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स से लापता होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने बताया कि उन्हें आखिरी बार उसी दिन तड़के करीब 1:45 बजे शहर में व्हिटमोर एवेन्यू और मिशेल रोड के पास देखा गया था।

असली खतरा, असली जरूरत, सर्दियों से पहले पैट्रियट मिसाइलें क्यों मांग रहे जेलेंस्की?



नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच बीते चार साल से ज्यादा समय से जारी भीषम संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। संघर्ष विराम की कोशिशें, कूटनीतिक स्तर पर बातचीत सभी एक साथ मट्टीपलित होती नजर आ रही है।

दूसरी तरफ जैसे-जैसे कड़ाके की ठंड नजदीक आ रही है, यूक्रेन के सामने एक बहुत बड़ा और गंभीर संकट खडा हो गया है। इसकी वजह है कि रूस ने यूक्रेन के बिजलीघरों, हीटिंग सिस्टम और पानी की सप्लाई जैसे अहम बुनियादी ढांचे पर हमले तेज कर दिए हैं।

अब इन हमलों से बचने के लिए यूक्रेन को अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और उसकी मिसाइलों PAC-3 और PAC-2 की सख्त और तत्काल जरूरत है, क्योंकि रूस की तेज रफ्तार बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने की क्षमता सिर्फ इसी सिस्टम में है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की की मांग- आज चाहिए, सालों बाद नहीं- वहीं इस मामले में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का कहना है कि सरकार को सर्दियों के इन कठिन महीनों में लोगों की जान बचाने के लिए तुरंत मदद चाहिए। बता दें कि हाल ही में 500 पैट्रियट मिसाइल देने के प्रस्ताव पर बात तो हुई है, लेकिन पश्चिमी देशों का कहना है कि इसकी डिलीवरी शुरू होने में अभी कई साल लग सकते हैं।

क्या चाहता है यूक्रेन- ऐसे में जेलेंस्की का तर्क है कि अगर मिसाइलें कई साल बाद मिलेंगी, तो इस सर्दियों में यूक्रेन के लाखों लोग बिजली, पानी और ठंड के बिना बेसहारा हो जाएंगे।यूक्रेन की मांग है कि अमेरिका और उसके यूरोपीय देश अपने मौजूदा गोदामों से तुरंत मिसाइलें दें और बाद में नई फैक्ट्रियों से अपना स्टॉक दोबारा भर लें।यूक्रेन की मदद में कहां फंसा यूरोप?

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि यूरोप के देश, जो अब तक यूक्रेन की खुलकर मदद करते आए हैं, खुद एक बहुत बड़ी दुविधा में फंस गए हैं। इसकी बड़ी वजह है कि जर्मनी, नीदरलैंड और पोलैंड जैसे देशों ने पहले ही अपने पास से पैट्रियट सिस्टम और मिसाइलें यूक्रेन को दे दी हैं। अब उनके रक्षा अधिकारियों का कहना है कि वे अपनी सुरक्षा और नाटो (ह्वञ्जह) के नियमों के तहत अपनी सीमा तक पहुंच चुके हैं।

खुद की सुरक्षा की चिंता भी तो हैअब दूसरी तरफ पोलैंड और जर्मनी जैसे देशों का मानना है कि यदि वे अपना सारा स्टॉक यूक्रेन को दे देंगे, तो उनके अपने देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है, खासकर तब जब आए दिन रूसी मिसाइलें और ड्रोन उनकी सीमाओं के पास मंडराते रहते हैं।

तख्तापलट बनाम कानून का शासन... पोलैंड में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के बीच टकराव की क्या है वजह?



नई दिल्ली (एजेंसी)। पोलैंड में संवैधानिक संकट घिर गया है। लोग सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और इसके पीछे की बड़ी वजह प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के बीच बढ़ता तनाव है।

पोलैंड में न्यायाधिकरण के प्रमुख बोगदान श्विएचकोव्स्की और उनके डिप्टी बार्टलोमी सोचान्स्की को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया, जिसके बाद वारसॉ में मुख्य न्यायाधीश के समर्थन में अदालत के बाहर दंगा-रोधी पुलिस तैनात करनी पड़ी।

पोलैंड में यह संवैधानिक संकट न्यायिक नियुक्तियों की वैधता को लेकर दोनों पक्षों के अलग-अलग दावों और PiS के पिछले कार्यकाल के दौरान किए गए बदलावों को पलटने की सरकार की कोशिशों के इर्द-गिर्द घूम रहा है।

प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के बीच विवाद क्यों- पोलैंड का यह विवाद 2015 से चला आ रहा है, जब राष्ट्रवादी लॉ एंड जस्टिस पार्टी ने उन पदों पर न्यायाधीशों की नियुक्ति कर दी थी, जिन पर आलोचकों के अनुसार पहले से ही कानूनी रूप से नियुक्त लोग मौजूद थे।

PiS के ऐसा करने पर यूरोपीय अदालतों ने इस न्यायाधिकरण की स्वतंत्रता पर सवाल उठाए और यूरोपीय संघ ने न्यायिक सुधारों को लेकर पोलैंड पर जुर्माना भी लगाया।

डोनल्ड टस्क ने सत्ता में आने से पहले वादा किया था कि अगर वे प्रधानमंत्री बनते हैं तो देश में न्यायिक स्वतंत्रता को बहाल करेंगे। 2023 में जब पोलैंड की सरकार बदली और डोनल्ड टस्क प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने कई संवैधानिक नियुक्तियों में बदलाव किया।

हालांकि, क्ब्ष्ट समर्थित नवाप्रोकी ने कई नियुक्तियों का विरोध किया।मुख्य न्यायाधीश ने जजों को शपथ दिलाने से किया इनकारक्ब्ष्ट ने संसद द्वारा चुने गए न्यायाधीशों को शपथ दिलाने से भी इनकार कर दिया है। इस साल की शुरुआत में, नवरोकी ने संसद द्वारा नामित छह जजों में से तीन को शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था।

वहीं, पोलैंड के मुख्य न्यायाधीश बोगदान श्विएचकोव्स्की, जो क्ब्ष्ट सरकार के दौरान उप-न्याय मंत्री रह चुके हैं और अब डोनल्ड टस्क की सरकार ने उन्हें पद से हटा दिया है। इन्होंने ही मौजूदा संसदीय बहुमत द्वारा चुने गए जजों को अपना पद संभालने की अनुमति देने से मना कर दिया।

टस्क ने कहा- कानून का शासनमुख्य न्यायाधीश को उनके पद से हटाने पर अपनी सरकार के कदमों का बचाव करते हुए प्रधानमंत्री डोनल्ड टस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कानून के शासन को बहाल करना हमारा कर्तव्य है।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का किया शुभारंभ



भोपाल ब्यूरो। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने उत्कृष्ट विद्यालय मार्तंड क्रमांक एक के मैदान में आयोजित 70वीं शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ ध्वज फहराकर किया। इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी संभागों के 19 वर्ष तक आयु वर्ग के बालक और बालिका वर्ग के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता 5 नवंबर तक जारी रहेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि फुटबॉल अत्यंत लोकप्रिय खेल है। रीवा में फुटबॉल की शानदार परंपरा रही है। राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। जो खिलाड़ी आज प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं। वे आगे देश के लिए अपना कौशल दिखाएंगे। खेल हमें अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की सीख देते हैं। खेलों में हारने वाला सबसे पहले जीतने वाले को बधाई देता है। ऐसे भाईचारे की पूरे समाज को आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भर से रीवा आये खिलाड़ियों को व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर का भ्रमण अवश्य करायें। समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी पीएल मिश्रा ने खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, राजगोपाल मिश्रचारी, विक्रम सिंह, रवीन्द्रनाथ, सहायक संचालक राजेश मिश्रा, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय आरके जैन, खेल अधिकारी चंदन सिंह, विभिन्न संभागों से आए खिलाड़ी तथा , विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश स्थापित कर रहा है विकास के नित नए आयाम : राज्यमंत्री पटेल



भोपाल ब्यूरो। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने ने कहा कि प्रदेश आज विकास के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। चाहे आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण हो या जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो। राज्यमंत्री पटेल रविवार को रायसेन स्थित वन परिसर में आयोजित मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन, कलेक्टर रोहित सिसोनिया, प्रभारी एसपी अंकित जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी तथा राकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल ने उपस्थित जनसमूह को मप्र स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हमारा मध्य प्रदेश समग्र विकास, सुशासन और जनसेवा की भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध हमारा मध्यप्रदेश विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। यहां उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की है। मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा प्रदेश के विकास को और गति देने के लिए, नवीन उद्योगों को प्रोत्साहित करने रीजनल समिट का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति और मध्यप्रदेश की संस्कृति, धरोहरों और वैभव पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं। समारोह में अतिथियों द्वारा अनेक हितग्राहियों को विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ वितरित किए गए। साथ ही विभिन्न अभियानों तथा दायित्वों के निर्वहन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। समारोह में अतिथियों द्वारा सिकान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज 2026 के जिले के विजेता किसानों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में जिला स्तर पर ग्राम महुआखेड़ा निवासी सत्मेश बघेल को प्रथम पुरस्कार में ट्रेक्टर, ग्राम उदयपुरा निवासी सदशिव पाठक को द्वितीय पुरस्कार में बुलेट बाईक तथा तृतीय स्थान पर रहे ग्राम अनहोरी निवासी बब्लू शर्मा को ई-स्कूटी प्रदान की गई।

किसानों के लिए म.प्र. की सबसे बड़ी पुरस्कार योजना, प्रथम पुरस्कार टैक्टर, द्वितीय बुलेट, तृतीय ई-स्कूटर का वितरण

जिलों में गरिमापूर्ण समारोह में 165 विजेता किसानों को मिला पुरस्कार

भोपाल (ब्यूरो)

भोपाल। किसानों को शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक करने, कृषि संबंधी ज्ञान को समृद्ध करने मध्य प्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार योजना में 165 विजेता किसानों को ट्रेक्टर, बुलेट और ई-स्कूटर दिए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर किसानों के स्वाभिमान के सम्मान में यह पहल की गई।



प्रत्येक जिले से तीन विजेताओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में ट्रैक्टर, द्वितीय पुरस्कार के रूप में बुलेट मोटर साइकिल एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में ई-स्कूटर प्रदान किए गए। विजेताओं को भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सम्मानित किया। अन्य जिलों में प्रभारी मंत्रियों, विधायकों ने पुरस्कार वितरित किए । ग्वालियर में स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने क्रमश: ट्रेक्टर, बुलट मोटरसाइकिल और स्कूटी की राशि प्रदान की। भितरवार विकासखंड के ग्राम खेड़ा निवासी युवा कृषक कृष्णा रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तोमर ने उन्हें ट्रेक्टर के लिए 7 लाख 26 हजार रुपए का प्रतीकात्मक चैक और ट्रेक्टर की चाबी सौंपी। भितरवार विकासखंड के ग्राम बेरनी निवासी रामबरन सिंह परिहार द्वितीय स्थान पर रहे। उन्हें बुलट मोटरसाइकिल के लिए 1 लाख 68 हजार रुपए का प्रतीकात्मक चैक और मोटरसाइकिल की चाबी प्रदान की गई। भितरवार विकासखंड के ही ग्राम सोताखिरिया निवासी कुबेर सिंह बघेल को तृतीय पुरस्कार के रूप में स्कूटी के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि और स्कूटी की चाबी दी गई।

इंदौर जिले के देपालपुर तहसील के ग्राम बछौड़ा निवासी किसान जितेंद्र पिता प्रहलाद सिंह मौर्य को प्रथम पुरस्कार के रूप में 7 लाख 26 हजार रुपये मूल्य का ट्रैक्टर प्रदान किया गया।

हातोद तहसील के ग्राम कराड़िया निवासी किसान गोपाल सिंह पिता रूपचंद चौधरी को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 1 लाख 68 हजार रुपये मूल्य की बुलेट मोटरसाइकिल तथा मल्हारगंज तहसील के ग्राम नैनोद निवासी किसान शैलेन्द्र पिता गोकुल सिंह को तृतीय पुरस्कार के रूप में 1 लाख 20 हजार रुपये मूल्य की ई-स्कूटी के लिए राशि प्रदान की गई। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पुरस्कार प्रदान किये। शहडोल जिले के सोहागपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पोस्ट कठौतिया निवासी उन्नत कृषक ब्रजराज सिंह जोधावत ने। प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। विधायक मनीषा सिंह ने जोधावत को प्रथम पुरस्कार के रूप में ट्रैक्टर की चाबी प्रदान कर सम्मानित किया। श्री ब्रजराज सिंह जोधावत एक उन्नत कृषक हैं और खेती-किसानी के क्षेत्र में अपनी सक्रियता एवं अनुभव रखते हैं।

किसान बोले सोचा नहीं था, इतना बड़ा पुरस्कार मिलेगा

ट्रेक्टर पाकर भावविभोर युवा किसान कृष्णा रावत ने कहा मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि इस प्रतियोगिता में मुझे 7 लाख 26 हजार रुपए का ट्रेक्टर मिलेगा। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभारी हूँ। इससे केवल मुझे ही नहीं, ग्वालियर जिले सहित पूरे प्रदेश के किसानों को प्रोत्साहन मिला है। कृषक रामबरन सिंह परिहार ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रेरित करती हैं और यह सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की सजीव मिसाल हैं। स्कूटी प्राप्त करने वाले कुबेर सिंह बघेल ने कहा इस स्कूटी से हम खेती-किसानी के काम भी करेंगे और मेरा बेटा इस पर बैठकर पढ़ने भी जाएगा। उनके ये शब्द इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार की पहल का लाभ किसान के साथ उसके पूरे परिवार तक पहुँच रहा है उज्जैन में प्रथम पुरस्कार के रूप में रोहित पिता रमेशचंद को ट्रैक्टर प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार के रूप में संजय पिता बनेसिंह को बुलेट मोटरसाइकिल तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में शंकरलाल पिता बगदीराम को ई-स्कूटी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में दो नवीन गौ शेड का किया लोकार्पण, पहुंच मार्ग का भूमि पूजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र : शुक्ल

भोपाल (ब्यूरो)

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने हिनौती गौधाम परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दो नवीन गौ शेड का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने 10 करोड़ 87 लाख रुपये की लागत से बनने वाली लालगांव-कटरा मार्ग से हिनौती गौधाम पहुंच मार्ग का भूमि पूजन भी किया।



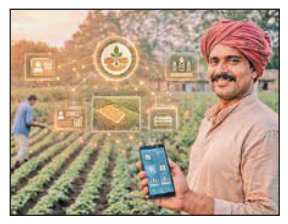


इस अवसर पर उन्होंने परिसर में आम का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा गायों को गुड़ और चना खिलाया। उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की तर्ज पर हिनौती गौधाम परिसर की जमीन पर प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र का उद्घाटन करते हुए प्राकृतिक खेती पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गौशाला, गौ सेवा और प्राकृतिक खेती के समन्वय से ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। आज मानवता के सामने जो संकट हैं, उनका समाधान केवल गौ सेवा और प्राकृतिक खेती के माध्यम से ही किया जा सकता है।

हिनौती गौधाम में प्राकृतिक खेती के लिए जमीन निर्धारित की गई है। यहाँ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण देकर आसपास के गांवों में प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम के विकास की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि 200 एकड़ में फैले इस परिसर में 20 हजार बेसहारा गायों की सेवा की व्यवस्था की जा रही है।

केन्द्र की एग्रीस्टैक योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश प्रथम

भोपाल (ब्यूरो)



भोपाल। केन्द्र सरकार की एग्रीस्टैक के बेहतर क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। एग्रीस्टैक भारत की डिजिटल कृषि व्यवस्था की नींव है। यह सही समय पर किसानों को मदद पहुंचाती है। इसके अंतर्गत 1.20 करोड़ से ज्यादा किसानों की आईडी बनाई गई है। करीब 4 करोड़ से अधिक खेतों पर फसलों का सर्वे कर सभी खेतों का जियो रेफरेंस कराया गया है।

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहाँ किसानों के व्यापक हित में भावांतर योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। किसान कल्याण वर्ष में सरसों और सोयाबीन के लिए भावांतर योजना लागू की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार समग्र किसान कल्याण के लिए संकल्पित है। सरकार खेती को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे किसानों के आर्थिक लाभ में वृद्धि हो। राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में व्यापक निर्णय लिये गये हैं।

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर खाद्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

मप्र की समृद्ध विरासत, विकास के संकल्प के साथ बढ़ रही प्रदेश सरकार : राजपूत

भोपाल (ब्यूरो)

भोपाल। किसान, युवा, महिलाओं की मेहनत और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। मध्यप्रदेश विकासशील राज्य से विकसित राज्य की ओर बढ़ रहा है। उक्त विचार खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने 71वें मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर सांदीपनि विद्यालय सागर में आयोजित समारोह कार्यक्रम में व्यक्त किए।



मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश केवल भारत के नक्शे पर बना एक राज्य नहीं, बल्कि देश की आत्मा, संस्कृति और सभ्यता का जीवंत स्वरूप है। यह राजा विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, सम्राट अशोक के इतिहास, रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई के शौर्य एवं बलिदान की भूमि है। भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन, भगवान श्रीराम के वनगमन पथ, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम और भगवान शिव के ज्योतिर्लिंगों से यह धरती आध्यात्मिक गौरव रखती है। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा की कल-कल बहती धारा, विंध्य और सतपुड़ा की पर्वत श्रृंखलाएं, कान्हा और बांधवगढ़ के वन, खजुराहो की अद्भुत कला तथा सांची का विश्वविख्यात इतिहास मध्यप्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। हमारा प्रदेश विविधताओं में एकता, परंपरा में आधुनिकता और संस्कृति में समरसता का अद्भुत उदाहरण है।

औद्योगिक विकास के नए रास्ते पर बढ़ रहा मध्यप्रदेश

इस अवसर पर मंत्री राजपूत ने उपस्थित आमजनों को मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पानी सहित विकास के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। आज मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट के साथ-साथ चीता स्टेट के गौरव से सुशोभित हो रहा है। उन्होंने सागर जिले में कृषि के क्षेत्र में नवाचार और विशिष्ट कार्य करने वाले किसानों की सराहना करते हुए कहा कि समृद्ध खेती से किसान की समृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उद्योग नीति की का परिणाम है कि आज मध्यप्रदेश में निवेश बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सहित बुन्देलखंड में नवीन उद्योग इकाईयां स्थापित हो रही है जिससे रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। मध्यप्रदेश के विकास और समृद्धि सरकार के साथ-साथ प्रदेशवासियों की लगन और परिश्रम का परिणाम है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह को विधायक शैलेंद्र जैन, महापौर संगीता तिवारी ने भी संबोधित किया।

[मिलीभगत] न्यायालय में मामला है लंबित, बिना सूचना सीमांकन का आरोप

जमीन की नपती में एक का हिस्सा दूसरे को दे दिया, राजस्व अमले पर उठे सवाल

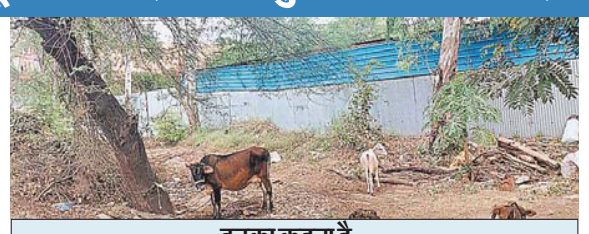
किसानों ने कहा- दूसरे हिस्सेदारों को बुलाए बिना कर दिया जमीन का बंटवारा

- न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद बिना सूचना सीमांकन करने का आरोप

भोपाल (ब्यूरो)

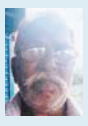
राजधानी के पास चोपड़ा कलां गांव में जमीन के सीमांकन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। खसरा नंबर 167 की करीब 13 एकड़ 13 डिसमिल जमीन के मामले में किसानों ने राजस्व अमले की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि जमीन के एक हिस्से को लेकर पहले से न्यायालय में विवाद चल रहा है, इसके बावजूद राजस्व अधिकारियों ने सभी हिस्सेदारों को सूचना दिए बिना ही सीमांकन कर दिया। किसानों के मुताबिक, परिवार के पास पहले इस जमीन का बड़ा हिस्सा था, जिसमें से करीब आठ एकड़ बेची जा चुकी है और पांच एकड़ 33 डिसमिल जमीन शेष है। इसी जमीन में से एक एकड़ का नामांतरण संदीप अग्रवाल के नाम कथित वसीयत के आधार पर कराया गया। बाद में यह जमीन अशोक पटेल, जितेंद्र पटेल और प्रतिंद्र पटेल को बेच दी गई। किसान इस वसीयत और नामांतरण को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जब मामला न्यायालय में विचाराधीन है, तब सभी पक्षों को सुने बिना सीमांकन की कार्रवाई कैसे कर दी गई?

किसानों का आरोप है कि करीब एक महीने पहले तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारी ने मौके पर पहुंचकर बिना पूर्व सूचना के जमीन की नपती की। इस दौरान राजू राठौर, अशोक बंसल, मदन गुप्ता और राम सिंह तोमर सहित अन्य हिस्सेदारों को भी नहीं बुलाया गया। किसानों का दावा है कि नपती में राम सिंह तोमर की करीब 10 फीट जमीन अशोक पटेल के हिस्से में शामिल कर दी गई।



इनका कहना है...

परिवार में तीन भाई हैं। पिता उनके साथ रहते थे और उन्होंने कभी किसी बाहरी व्यक्ति के नाम वसीयत करने की जानकारी नहीं दी, ऐसे में परिवार को बताए बिना वसीयत कैसे हो गई, यह जांच का विषय है।



-तुलसीराम शर्मा, किसान

जमीन के अन्य हिस्सेदारों को सीमांकन की सूचना तक नहीं दी गई। आरोप है कि राम सिंह तोमर की करीब 10 फीट जमीन अशोक पटेल के हिस्से में नाप दी गई। सभी हिस्सेदारों को बुलाकर उनकी मौजूदगी में ही दोबारा नपती कराई जानी चाहिए।



-राजेंद्र प्रसाद शर्मा, किसान

आवेदन मिलने के बाद सीमांकन की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन किसी कारणवश आज कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। आगामी दिनों में जल्द ही इस प्रक्रिया को निष्पक्ष तरीके से पूरा कराया जाएगा।

-शुभम जैन, तहसीलदार, हुजूर

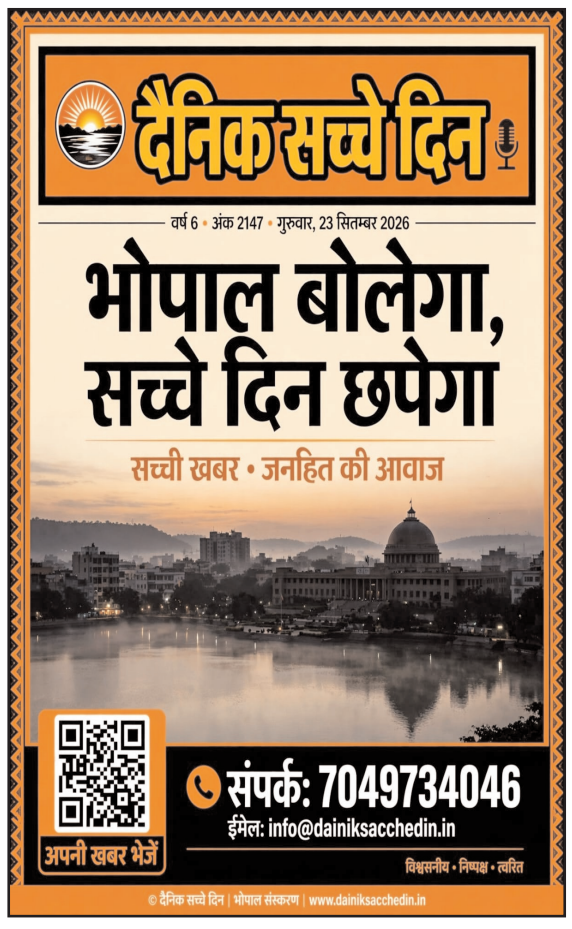
मेरे ऊपर लगाए गए आरोप निराधार हैं। मैं पिछले छह महीने से उस क्षेत्र का कामकाज नहीं देख रहा हूं।

-अतुल शर्मा, तत्कालीन तहसीलदार, हुजूर

छोला थाना क्षेत्र में एक ही घर में पांच लोगों ने की आत्महत्या

(जानकारी के अनुसार) भोपाल. के छोला थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से सनसनी जानकारी के अनुसार, एक ही घर में पांच लोगों की मौत की सूचना सामने आई है। वहीं, परिवार के एक सदस्य का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने की भी जानकारी मिली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मामला सामूहिक आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई अन्य कारण अथवा हत्या की आशंका है। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। आधिकारिक पुष्टि और जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।





स्वात्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक , प्रकाशक **साहबजादा अब्दुल रशीद खान** द्वारा आर.के. एण्ड प्रिंटर्स 7 नीम वाली सड़क जिंसी जहांगीराबाद भोपाल म.प्र.482008 से मुद्रित तथा 424, मेहंदी वालीगली, तलैया भोपाल म.प्र. 462001 से प्रकाशित।
सम्पादक- अज़रा बैगम (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI No. MPHIN/2021/82412